RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 26 MAY TO 01 JUNE 2021 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 06 ■ अंक 40 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

भारी एफडीआई प्रवाह से भारत के पसंदीदा निवेश गंतव्य होने की पुष्टिः सीआईआई Page 2

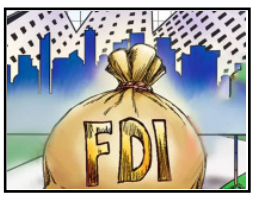

कोरोना संकट के दौर में स्मगलर्स भी हो गए हैं क्रिएटिव Page 6

सरसों का तेल पहुंचा आसमान में एक साल में 50 फसदी बढ़े खाद्य तेलों के दाम Page 7

editoria!

सार्वजनिक स्वास्थ्य

कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के बीच भारत बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं की सबसे भयावह चुनौती का सामना कर रहा है. एक-एक सांस को बचाने के लिए किया गया संघर्ष स्मृति-पटल से मिटनेवाला नहीं है. महामारी की आफत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की लचरता ने हमें भविष्य की ऐसी चुनौतियों के लिए भी आगाह किया है. सामान्य दिनों में इलाज के लिए ज्यादातर भारतीयों के पास अपनी बचत या उधार या फिर करीबियों का सहारा होता है. भारत उन देशों में शामिल है, जहां 60 प्रतिशत से ज्यादा लोग इलाज के लिए अपनी जेब पर निर्भर हैं. निजी अस्पतालों पर बढ़ती निर्भरता के कारण यह खर्च बढ़ता ही जा रहा है. हालांकि, महामारी के सबसे बुरे दौर से गुजर रहे देश में अचानक बदलाव आ जायेगा, यह सोचना भी मुश्किल है. कुछ मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वास्थ्य बीमा से वंचित लोगों के लिए एक ट्रिलियन रुपये के कोष के गठन की योजना है. फिलहाल, आमजन को संभावित तीसरी लहर से बचाने की सबसे बड़ी चुनौती है. यह समय नीति-निर्माताओं के चेतने और गंभीर होने का भी है. ग्रामीण और दूर-दराज इलाकों में फैल रहा संक्रमण डरावना है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवाओं की ढांचागत व्यवस्थाओं से ये इलाके महरूम हैं. जरूरतमंदों तक वैक्सीन पहुंचाने, लोगों में वैक्सीन के प्रति दुराग्रह को दूर करने और बच्चों में संभावित संक्रमण की रोकथाम के लिए हमारे पास पर्याप्त स्वास्थ्य देखभाल ढांचा नहीं है. हालिया मानव विकास रिपोर्ट-2020 स्पष्ट करती है कि भारत में प्रति 10,000 लोगों पर मात्र आठ अस्पताल बिस्तर उपलब्ध हैं, जबकि चीन में मात्र 1000 लोगों पर चार से अधिक बिस्तर हैं. वर्तमान समस्या के मद्देनजर स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) को मजबूत और बेहतर बनाने की जरूरत है. साथ ही अस्थायी तौर पर कोविड/आइसीयू के निर्माण पर भी जोर देना होगा. आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं के लिए मेडिकल उपकरणों और मेडिकल पेशेवरों की उपलब्धता पर ध्यान देने की आवश्यकता है. ग्रामीण इलाकों में सामान्य उपचार के लिए भी मरीजों को 20 से 25 किलोमीटर का सफर करना होता है, जिसके लिए उनके पास साधन और संसाधन नहीं हैं. मौजूदा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को सुधार कर इलाज के अभाव से होनेवाली मौतों को रोका जा सकता है. कोविड-19 के मद्देनजर सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सर्वोच्च न्यायालय ने एक राष्ट्रीय कार्यबल (एनटीएफ) गठन किया है. उम्मीद है कि कार्यबल के सुझावों से स्वास्थ्य सेवाओं में संरचनागत बदलाव आयेगा. सुझावों पर अमल और योजनाओं को कैसे जमीन पर उतारा जायेगा, यह देखना अहम होगा. महामारी काल में भी आवश्यक मेडिकल आपूर्ति और दवाओं की कालाबाजारी का गंभीर संकट रहा है. इसके लिए निगरानी तंत्र को बेहतर बनाने की जरूरत है. साथ ही आम जनता को बीमारी और इलाज के प्रति जागरूक करना होगा, ताकि स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के सामने आनेवाली चुनौती को कम किया जा सके. निश्चित ही महामारी का वक्त बीत जायेगा, लेकिन नागरिक सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं के संकट को दोबारा नहीं देखना चाहेंगे.

सप्लाय से जुड़ी दिक्कतों पर मांग बढ़ने की उम्मीद पड़ी भारी

कच्चे तेल के दाम में आई तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका में तेल की डिमांड में बढ़ोत्तरी की आशा बुधवार को ईरान से कच्चे तेल की आपूर्ति में दिक्कत की आंशका पर भारी पड़ी। इससे बुधवार को कच्चे तेल की कीमत में इजाफा देखने को मिला। जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाला ब्रेंट क्रूड का फ्यूचर 44 सेंट या 0.60 फीसद की तेजी के साथ 69.09 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। इसी तरह जुलाई कॉन्ट्रैक्ट वाले वेस्ट टेक्सास इंटरमीडियट (WTI) क्रूड का भाव 28 सेंट या 0.40 फीसद के इजाफे के साथ 66.35 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा था।

दोनों बेंचमार्क में मंगलवार को भी बढ़ोत्तरी देखने को मिली थी और दोनों की कीमत एक हफ्ते के सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। नार्दर्न हेमिस्फेयर में समर ड्राइविंग सीजन व

कोरोनावायरस से जुड़ी पाबंदियां घटाए जाने से डिमांड में बढ़ोत्तरी की उम्मीदों को बल मिला है। अमेरिका के पेट्रोलियम इंस्टीट्यूट के आंकड़ों का हवाला देते हुए बाजार से जुड़े दो सूत्रों ने कहा कि पिछले सप्ताह अमेरिकी क्रूड ऑयल और तेल की इंवेंट्री में कमी दर्ज की गई।

सूत्रों ने बताया कि 21 मई को समाप्त सप्ताह में क्रूड स्टॉक में 439,000 बैरल की कमी देखी गई। डेटा के मुताबिक गैसोलीन इंवेंट्री में 20 लाख बैरल की कमी रिकॉर्ड की गई। कमोडिटीज ब्रोकरेज हाउस इल्ग्रूदस्न एंड के चीफ एनालिस्ट कुजिको साइतो ने बताया, "API डेटा अच्छा था।" उन्होंने इस बात का अनुमान जाहिर किया कि इस बात की उम्मीद बढ़ी है कि ईंधन की कीमत रिकवरी हो रही है और इस वजह से तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

कमजोर मांग से कच्चा तेल वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। एजेंसी

कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में बुधवार को कच्चा तेल की कीमत 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,820 रुपये प्रति बैरल रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चातेल के जून महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 13 रुपये अथवा 0.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,820 रुपये प्रति बैरल रह गई जिसमें 8,477 लॉट के लिए कारोबार हुआ। हालांकि, वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में वेस्ट टैक्सास इंटरमीडिएट कच्चे तेल का दाम 0.21 प्रतिशत की तेजी के साथ 66.21 डालर प्रति बैरल हो गया। जबकि, वैश्विक मानक माने जाने वाले ब्रेंट क्रूड का दाम 0.38 प्रतिशत बढ़कर 68.91 डालर प्रति बैरल हो गया।

सोने-चांदी के दाम में आया जबरदस्त उछाल

2 महीने में 5,000 रुपये हुआ महंगा

नई दिल्ली। एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार को फिर जबरदस्त तेजी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने के साथ चांदी की कीमतों में भी तेजी आई। सोना के रेट 49,000 रुपये प्रति 10 ग्राम को क्रॉस कर गए हैं, वहीं चांदी के दाम 72,500 रुपये को पार गए। अगर देखा जाए तो पिछले दो महीने से भी कम समय में सोना 5,000 रुपये महंगा हो गया है। मार्च में सोने की कीमतें लगभग 44,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के निचले स्तर पर पहुंच गई थीं। कीमतों में हालिया सुधार के बावजूद सोने की दरें अभी भी पिछले साल के उच्चतम 56,200 रुपये से काफी नीचे हैं। एमसीएक्स पर सोने का भाव 0.38 फीसदी बढ़कर 49,055 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, वहीं चांदी का भाव 0.68 फीसदी की तेजी के बाद 72,631 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हाजिर सोना 0.4% बढ़कर 1,906.16 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। अन्य कीमती धातुओं में चांदी 27.99 डॉलर प्रति औंस जबकि प्लैटिनम 0.8% बढ़कर 1,200.69 डॉलर हो गया।

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि जारी रही क्योंकि निवेशकों ने तेल पर उम्मीदें घटाईं

नई दिल्ली। एजेंसी

मंगलवार को कच्चा तेल 0.17% की तेजी के साथ 4833 पर बंद हुआ था। कच्चे तेल ने अपनी बढ़ती प्रवृत्ति को जारी रखा क्योंकि निवेशकों ने तेल निर्यातक ईरान के अंतरराष्ट्रीय कच्चे बाजारों में जल्द वापसी की उम्मीदों को कम कर दिया। संयुक्त राज्य अमेरिका और ईरान के बीच अप्रत्यक्ष वार्ता इस सप्ताह वियना में फिर से शुरू होने वाली है। तेहरान और संयुक्त राष्ट्र की परमाणु एजेंसी द्वारा मध्य पूर्वी देश के परमाणु कार्यक्रम पर एक निगरानी समझौते को आगे बढ़ाने के बाद वार्ता फिर से शुरू हुई। अमेरिकी कच्चे तेल का उत्पादन 2021 में 290,000 बैरल प्रति दिन (बीपीडी) गिरकर 11.02 मिलियन बीपीडी होने की उम्मीद है। जानकारों के अनुसार यू.एस. ऊर्जा सूचना प्रशासन (ईआईए) ने कहा, 270,000 बीपीडी की गिरावट के अपने पिछले पूर्वानुमान की तुलना में एक तेज गिरावट। एजेंसी ने कहा कि उसे उम्मीद है कि अमेरिकी पेट्रोलियम और अन्य तरल ईंधन की खपत 2021 में 1.39 मिलियन बीपीडी बढ़कर 19.51 मिलियन बीपीडी हो जाएगी, जबकि पिछले पूर्वानुमान में 1.32 मिलियन बीपीडी की वृद्धि हुई थी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने कहा कि कोविड -19 के खिलाफ दुनिया को टीका लगाने में प्रगति का मतलब है कि दुनिया की आर्थिक सुधार और तेल की मांग शीर्ष उत्पादकों के उत्पादन को पछाड़ देगी।

(शेष पृष्ठ 2 पर)

खुशखबर: रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब पहुंचा देश का विदेशी मुद्रा भंडार, जानिए इससे कैसे होगा फायदा

नई दिल्ली। एजेंसी

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 मई 2021 को समाप्त सप्ताह में 56.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 590.028 अरब डॉलर हो गया। रिजर्व बैंक द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार 29 अप्रैल 2021 को समाप्त हुए सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 590.185 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर था। सात मई 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 1.444 अरब डॉलर बढ़कर 589.465 अरब डॉलर हो गया था।

इसलिए आई तेजी

गत 14 मई 2021 को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि मुख्य तौर पर विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां बढ़ने से हुई। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक तौर पर जारी आंकड़ों के अनुसार, विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां सप्ताह के दौरान 37.7 करोड़ डॉलर बढ़कर 546.87 अरब डॉलर हो गईं। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां डॉलर में व्यक्त की जाती हैं। इसमें डॉलर के अलावा यूरो, पाउंड और येन में अंकित संपत्तियां भी शामिल हैं। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां सकल विदेशी मुद्रा भंडार का बड़ा हिस्सा हैं।

36.654 अरब डॉलर हो गया स्वर्ण भंडार

आलोच्य सप्ताह के दौरान स्वर्ण भंडार 17.4 करोड़ डॉलर बढ़कर 36.654 अरब डॉलर हो गया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) में विशेष निकासी अधिकार (एसडीआर) 20 लाख डॉलर बढ़कर 1.506 अरब डॉलर हो गया। वहीं, आईएमएफ के पास देश का आरक्षित भंडार एक करोड़ डॉलर बढ़कर 4.999 अरब डॉलर हो गया।

आइए जानते हैं विदेशी मुद्रा भंडार क्या है और इससे देश को कैसे फायदा होता है।

क्या है विदेशी मुद्रा भंडार?

विदेशी मुद्रा भंडार देश के केंद्रीय बैंकों द्वारा रखी गई धनराशि या अन्य परिसंपत्तियां होती हैं, जिनका उपयोग जरूरत पड़ने पर देनदारियों का भुगतान करने में किया जाता है। पर्याप्त विदेशी मुद्रा भंडार एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था के लिए काफी महत्वपूर्ण होता है। यह आयात को समर्थन देने के लिए आर्थिक संकट की स्थिति में अर्थव्यवस्था को बहुत आवश्यक मदद उपलब्ध कराता है। इसमें आईएमएफ में विदेशी मुद्रा असेट्स, स्वर्ण भंडार और अन्य रिजर्व शामिल होते हैं, जिनमें से विदेशी मुद्रा असेट्स सोने के बाद सबसे बड़ा हिस्सा रखते हैं।

विदेशी मुद्रा भंडार के चार बड़े फायदे

■साल 1991 में देश को पैसा जुटाने के लिए सोना गिरवी रखना पड़ा था। तब सिर्फ 40 करोड़ डॉलर के लिए भारत को 47 टन सोना इंग्लैंड के पास गिरवी रखना पड़ा था। लेकिन मौजूदा स्तर पर, भारत के पास एक वर्ष से अधिक के आयात को कवर करने के लिए पर्याप्त मुद्रा भंडार है। यानी इससे एक साल से अधिक के आयात खर्च की पूर्ति सरलता से की जा सकती है, जो इसका सबसे बड़ा फायदा है।

■अच्छा विदेशी मुद्रा आरक्षित रखने वाला देश विदेशी व्यापार का अच्छा हिस्सा आकर्षित करता है और व्यापारिक साझेदारों का विश्वास अर्जित करता है। इससे वैश्विक निवेशक देश में और अधिक निवेश के लिए प्रोत्साहित हो सकते हैं।

■सरकार जरूरी सैन्य सामान की तत्काल खरीदी का निर्णय बी ले सकती है क्योंकि भुगतान के लिए पर्याप्त विदेशी मुद्रा उपलब्ध है।

■इसके अतिरिक्त विदेशी मुद्रा बाजार में अस्थिरता को कम करने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार प्रभावी भूमिका निभा सकता है।

कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि जारी रही क्योंकि निवेशकों ने तेल पर उम्मीदें घटाईं

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आईईए ने अपनी मासिक रिपोर्ट में ओपेक्ट्र देशों से बढ़ी हुई पंपिंग का हवाला देते हुए कहा, 'इस साल के बाकी हिस्सों में प्रत्याशित आपूर्ति वृद्धि दूसरी तिमाही के बाद काफी मजबूत मांग के लिए हमारे पूर्वानुमान के बराबर नहीं है।' तकनीकी रूप से बाजार में ताजा खरीदारी हो रही है क्योंकि बाजार में ओपन इंटरेस्ट में 6% की बढ़त के साथ 7514 पर बंद हुआ है, जबकि कीमतों में 8 रुपये की बढ़ोतरी हुई है, अब कच्चे तेल को 4787 पर समर्थन मिल रहा है और इससे नीचे 4742 के स्तर का परीक्षण देखा जा सकता है। और प्रतिरोध अब 4867 पर देखे जाने की संभावना है, ऊपर एक कदम से कीमतों का परीक्षण 4902 हो सकता है।

टीसीएस देशभर में 100 से अधिक कोविड टीकाकरण केंद्र स्थापित करेगी

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) देशभर में 100 से अधिक कोविड टीकाकरण केंद्र स्थापित करेगी। साथ ही कंपनी अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों को टीका लगाने के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधा प्रदाताओं के साथ समझौता भी करेगी। सूचना प्रौद्योगिकी परामर्श कंपनी ने कहा कि उसने अपने कई परिसरों में टीकाकरण अभियान शुरू भी कर दिया है और मई के तीसरे और चौथे सप्ताह के बीच बड़े स्तर पर टीकाकरण अभियान चलाया जाएगा। टीसीएस ने एक बयान में कहा, ''हम अपने सहयोगियों और उनके परिजनों का टीकाकरण के लिए समर्थन करते रहे हैं। टीकाकरण के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के साथ गठजोड़ कर रहे हैं। देश में हमारे सहयोगियों और उनके परिजनों को टीका लगाने के लिए वैक्सीन को खरीद को लेकर कई आपूर्तिकर्ताओं से पता किया जा रहा है।'' उसने कहा कि इस प्रक्रिया के लिए एक विशेष टीम टीका खरीदने और लगाने के लिए अलग-अलग अस्पतालों के साथ काम करेगी।''

टीसीएस के भारत समेत अन्य देशों में 4.88 लाख से अधिक कर्मचारी हैं। उसने कंपनी के भीतर एक अभियान भी चलाया है जिससे सहयोगियों को टीका लगाने के महत्व और जरुरी जानकारी पहुंचाई जा सके। प्रौद्योगिकी कंपनी हनीवेल ने घोषणा की है कि वह पांच राज्यों में कोविड केयर केन्द्रो की स्थापना के साथ अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सीय उपकरणों का वितरण करेगी। कंपनी ने शुक्रवार को कहा कि उसने कोरोना महामारी से निपटने में मदद करने के लिए महाराष्ट्र, दिल्ली, हरियाणा, कर्नाटक और उत्तराखंड सरकार से भागीदारी की हैं।

उसने कहा कि इस भागीदारी के तहत वह कई सरकारी और निजी अस्पतालों में एक हजार ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, 50 वेंटिलेटर, दस हजार एन95 मास्क और 2500 पीपीई किट दान करेगी। कंपनी के इंडिया अध्यक्ष अक्षय बेल्लारी ने कहा, ''हम ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, वेंटिलेटर, एन95 मास्क और पीपीई किट जैसी आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति भी दान कर रहे हैं। राहत प्रयासों में सहायता करने के लिए हमने तीस लाख डॉलर की मदद देने का वादा किया हैं।''

भारी एफडीआई प्रवाह से भारत के पसंदीदा निवेश गंतव्य होने की पुष्टि: सीआईआई

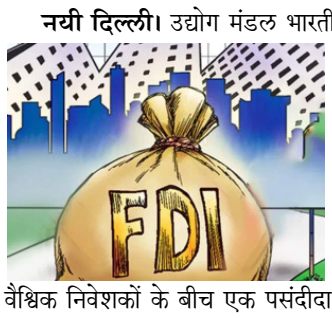

नयी दिल्ली। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने मंगलवार को कहा कि देश में भारी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) प्रवाह से वैश्विक निवेशकों के बीच भारत के पसंदीदा निवेश गंतव्य होने की पुष्टि हुई है। देश में वित्त वर्ष 2020-21 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) 19 प्रतिशत बढ़कर 59.64 अरब डॉलर हो गया। इस दौरान इक्विटी, पुनर्निवेश आय और पूंजी सहित कुल एफडीआई 10 प्रतिशत बढ़कर 81.72 अरब डॉलर हो गया। सीआईआई ने कहा, ''बीते साल की बेहद चुनौतीपूर्ण पृष्ठभूमि के बावजूद एफडीआई प्रवाह का मजबूत प्रदर्शन वैश्विक निवेशकों के बीच एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में भारत की स्थिति की पुष्टि करता है।'' उद्योग मंडल ने आगे कहा कि पिछले साल कई और क्षेत्रों में एफडीआई मानकों को उदार बनाने, व्यापार करने में आसानी और महत्वपूर्ण नीतिगत उपायों के जरिये सुधारों की गति को बरकरार रखने पर सरकार के लगातार जोर देने से भारत के प्रति वैश्विक निवेशकों का विश्वास मजबूत हुआ।

अमेज़ॅन इंडिया ने कोविड-19 राहत योजना की शुरूआत की

फ्रंटलाइन टीम और पात्र कर्मचारियों के लिए वित्तीय सहायता मिलेगी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश की इस महामारी की जंग में, अमेज़न इंडिया ने अपने कर्मचारियों और फ्रंटलाइन टीम को सहयोग करने के लिए कई अन्य पहलों के अलावा, अब कोविड-19 राहत योजना (CRS) भी शुरू की है। इस पहल के माध्यम से, अमेज़ॅन इंडिया स्टाफिंग एजेंसियों द्वारा नियुक्त सहयोगियों की टीम और अन्य पात्र कर्मचारियों को अतिरिक्त वित्तीय सहायता के तहत कोविड-19 भत्ता और अतिरिक्त अस्पताल क्षतिपूर्ति प्रदान करेगा। कोविड-19 भत्ता प्रति कर्मचारी 30,600 रुपये की एकमुश्त अनुदान राशि इन-हाउस कोविड में देखभाल हेतु, चिकित्सा उपकरण, या दवा संबंधी खर्चों के लिए दिया जाएगा। यदि कोविड-19 की वजह से कर्मचारी की अस्पताल में भर्ती की राशि बीमा कवर से अधिक होती है तो ऐसी दशा में अमेज़ॅन इंडिया 1,90,000 रुपये तक के बीमा-अनुमोदित अस्पताल खर्चों का भी मुआवजा देगा। कोविड-19 राहत योजना के अतिरिक्त, इस चुनौतीपूर्ण समय में अमेज़ॅन इंडिया फ्रंटलाइन टीम और अपने कर्मचारियों के लिए सभी आवश्यक सहयोग भी सुनिश्चित कर रहा है। सभी साइट्स पर स्टाफिंग एजेंसियों द्वारा नियुक्त सहयोगियों की टीम, क्वॉरन्टीन के समय कोविड-19 को कवर करने के लिए, संबंधित स्वास्थ्य देखभाल और उपचार के साथ-साथ एक महीने का अग्रिम वेतन व प्रदत्त अवकाश के पात्र होंगे। अमेज़ॅन इंडिया स्टाफिंग एजेंसियों की माध्यम से नियुक्त सभी सहयोगियों को चिकित्सा बीमा और ईएसआईसी (ESIC) लाभ भी प्रदान करता है। सभी डेलीवेरी सर्विस पार्टनर्स सहयोगियों और आई हेव स्पेस पार्टनर्स को चिकित्सा बीमा भी दिया जाता है। अमेज़ॅन इंडिया की राहत योजना के अतिरिक्त (ARF), कोविड-19 की स्थिति में ऐसे सहयोगियों के लिए 25 मिलियन डॉलर का राहत कोष की वित्तीय सहायता का प्रावधान है जो डिलीवरी सर्विस पार्टनर प्रोग्राम अमेज़ॅन फ्लेक्स प्रोग्राम और ट्रकिंग पार्टनर्स का हिस्सा हो। अमेज़ॅन इंडिया संचालन की एचआर डायरेक्टर, स्वाति रुस्तगी ने कहा, 'हमारी फ्रंटलाइन टीम ग्राहकों को उनके घर पर सामान उपलब्ध कराने में सहयोग करती हैं, तो हम भी कोविड-19 से प्रभावित देश भर में फैले सहयोगियों के लिए एक सक्षम वित्तीय और चिकित्सिय सहायता प्रणाली बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कोविड-19 राहत योजना के द्वारा हम अपने फ्रंटलाइन टीम, पात्र कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए वित्तीय, स्वास्थ्य और बीमा संरक्षण की एक अतिरिक्त सुरक्षा परत सुनिश्चित करना चाहते हैं। अमेज़ॅन इंडिया ने हाल ही में यह भी घोषणा की है कि वह भारत के अपने कर्मचारियों, विक्रेताओं, सहयोगियों के साथ-साथ ऑपरेशन पार्टनर्स टीम के डिलीवरी सर्विस पार्टनर (डीएसपी), अमेज़न फ्लेक्स ड्राइवर, आई हैव स्पेस (आईएचएस) स्टोर पार्टनर, ट्रकिंग पार्टनर और उनके पात्र आश्रित इत्यादि सहित 10 लाख से अधिक लोगों के लिए कोविड-19 टीकाकरण लागत को वहन करेगा।

क्या गिफ्ट में मिले ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर भी चुकाना होगा टैक्स? जानिए अभी क्या है स्थिति

नई दिल्ली। एजेंसी

जीएसटी परिषद की 28 मई को होने वाली बैठक में व्यक्तिगत उपयोग के लिये ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर के आयात पर टैक्स लगाने के बारे में नया निर्णय हो सकता है। इस समय इस पर 12 प्रतिशत की दर से जीएसटी लगाने का प्रावधान है।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दिया था यह आदेश

पिछले सप्ताह, दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि व्यक्तिगत उपयोग के लिये मंगाये गये या उपहार स्वरूप प्राप्त ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर 12 प्रतिशत एकीकृत जीएसटी (आईजीएसटी) लगाना 'असंवैधानिक' है। अदालत ने 85 साल के मरीज की याचिका पर यह फैसला सुनाया। उसे यह उपकरण उसके रिश्तेदार ने अमेरिका से भेजा था। उसने इस संदर्भ में वित्त मंत्रालय की एक मई को जारी अधिसूचना को खारिज कर दिया।

वित्त मंत्रालय का रुख

अधिसूचना में कहा गया था कि व्यक्तिगत उपयोग के लिये आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर 12 प्रतिशत आईजीएसटी लगेगा, फिर चाहे वह उपहार के रूप में या अन्य किसी तरीके से आया हो। सूत्रों ने कहा कि इस मामले में अंतिम निर्णय परिषद शुक्रवार 28 मई को होने वाली बैठक में करेगी। कर विशेषज्ञों का कहना है कि उएऊ ण्दल्हम्म्त ऐसे आयात पर आईजीएसटी से छूट देने का निर्णय कर सकती है, क्योंकि इससे राजस्व पर बहुत ज्यादा असर नहीं पड़ेगा।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

ईवाई के कर भागीदार अभिषेक जैन ने कहा कि सरकार कोविड राहत के लिये राज्य सरकार या उसके द्वारा अधिकृत एजेंसी द्वारा भारत में मुफ्त वितरण के लिए आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर आईजीएसटी छूट दे चुकी है। जैन ने कहा, ''दिल्ली उच्च न्यायालय ने आईजीएसटी छूट का लाभ व्यक्तिगत उपयोग के लिये स्वयं से या उपहारस्वरूप आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर देने को कहा है। महामारी की विकरालता और जीवन रक्षक उपकरण होने के नाते तथा राजस्व नुकसान बहुत ज्यादा नहीं होने को देखते हुए सरकार फैसले को स्वीकार कर सकती है और लाभ दे सकती है।''

इन मसलों पर भी चर्चा की उम्मीद

परिषद की 28 मई को होने वाली बैठक में कोविड संक्रमण के इलाज से जुड़े जरूरी सामान पर कर की दरों में कटौती के अलावा राज्यों की क्षतिपूर्ति में कमी पर भी चर्चा हो सकती है। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस जैसे विपक्षी दलों ने कोविड-19 मरीजों के इलाज में उपयोगी सभी जीवन रक्षक दवाओं, उपकरण और उत्पादों पर जीएसटी से छूट दिये जाने की मांग की है। इससे पहले, केंद्र ने कोविड टीकों, दवाओं और ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर जीएसटी से छूट देने से इनकार किया था। उसका कहना था कि इससे उपभोक्ताओं के लिये चीजें महंगी होंगी क्योंकि विनिर्माताओं को कच्चे माल पर किये गये कर भुगतान का लाभ नहीं मिलेगा।

घटी थीं जीएसटी की दरें

फिलहाल टीके की घरेलू आपूर्ति और वाणिज्यिक आयात पर 5 प्रतिशत जीएसटी लगता है, जबकि कोविड दवाओं और ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर 12 प्रतिशत कर लगता है। सरकार ने एक मई को व्यक्तिगत उपयोग के लिये आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर के आयात पर आईजीएसटी 28 प्रतिशत से घटाकर 12 प्रतिशत कर दिया था। घटी हुई दर 30 जून तक के लिये प्रभावी है। वाणिज्यिक उपयोग के लिये आयातित ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर पर भी जीएसटी 12 प्रतिशत है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक में पेट्रोल-डीजल पर हो सकती है चर्चा, सामने होंगी ये 5 चुनौतियां

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

28 मई को जीएसटी काउंसिल की होने वाली बैठक में पेट्रोल और डीजल के बढ़ते दामों पर भी चर्चा होने की संभावना है। केंद्र सरकार अलग-अलग मोर्चों पर कई बार कह चुकी है कि तेल के दाम काबू में लाने के लिए उसे जीएसटी के दायरे में लाना होगा। वित्तमंत्री इस बारे में राज्यों के विचार जानने के बाद आगे का रोडमैप तय कर सकती है। वहीं राज्यों की तरफ से वैक्सीन और कोरोना के दौरान इलाज से जुड़े दूसरे जरूरी मोर्चों पर जीएसटी घटाने की मांग की गई है जिस पर काउंसिल की बैठक में खास फोकस किया जाना है।

जीएसटी परिषद के समाने पांच चुनौतियां

1. जीएसटी नुकसान की भरपाई

कोरोना के कारण केंद्र को लगातार दूसरे साल जीएसटी नुकसान की भरपाई करनी पड़ सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार, केंद्र को 2.7 लाख करोड़ का मुआवजा देना पड़ सकता है।

2. ई-वे बिल को विस्तार की कवायद

मौजूदा समय में देश की आधी कंपनियां ही ई-वे बिल का इस्तेमाल कर रही है। इससे टैक्स चोरी होने की आशंका है। जीएसटी परिषद के सामने ई-वे बिल का विस्तार कर इसका दायरा बड़ा करने की चुनौती होगी।

3. कोविड वैक्सीन पर टैक्स

जीएसटी काउंसिल को कोविड-19 की वैक्सीन को टैक्स में छूट देने के प्रस्ताव पर विचार होगा। अभी वैक्सीन पर 5 फीसदी जीएसटी लगता है। कुछ राज्यों ने कोरोना की वैक्सीन को पूरी तरह टैक्स से मुक्त रखने या 0.1 फीसदी का मामूली टैक्स लगाने का सुझाव दिया है।

4. दो स्लैब मर्ज करने पर फैसला

जीएसटी में दो स्लैब 12 फीसदी और 18 फीसदी को मर्ज करने का फैसला लंबे समय से अटका हुआ है। इस बैठक में इस पर चर्चा होने की उम्मीद है, लेकिन मर्ज पर फैसला होगा या नहीं यह कहना मुश्किल है।

5. टैक्स कलेक्शन घटने की भरपाई

कोरोना की दूसरी लहर और लॉकडाउन के कारण मई महीने में जीएसटी संग्रह 30 फीसदी कम रहने की आशंका है। जीएसटी परिषद के सामने मौजूदा दौर में कर संग्रह बढ़ाकर सरकार के जरूरी खर्चों के लिए राजस्व जुटाना बड़ी चुनौती हो सकता है।

भारतपे ने लॉन्च किया 'कोविड वैक्सीनेशन कैशबैक'

मर्चेन्ट्स को कोविड-19 टीकाकरण के लिए प्रोत्साहित करने का अनूठा अभियान वैक्सीनेशन पूरा करवाने के बाद अपने बैंक खाते में मिलेगा रु 300 कैशबैक

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मर्चेन्ट्स के लिए देश की अग्रणी फिनटेक कंपनियों में से एक, भारतपे ने कोविड-19 के खिलाफ़ भारत सरकार के टीकाकरण अभियान को और अधिक सशक्त बनाने के लिए एक अनूठी पहल की घोषणा की है। कंपनी के कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व- 'भारतपे केयर्स' के तहत लॉन्च किया गया यह अभियान अपनी तरह का पहला प्रोग्राम है जो कंपनी के 6 मिलियन से अधिक मर्चेन्ट पार्टनर्स को कोविड-19 टीकाकरण के बारे में जागरुक बनाएगा, साथ ही उन्हें बिना देरी किए टीका लगवाने हेतु प्रोत्साहित भी करेगा। देश के पहले वैक्सीनेशन कैशबैक प्रोग्राम के तहत, भारपे के मर्चेन्ट्स को भारतपे ऐप के ज़रिए अपना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट स्कैन करने पर उनके बैंक खाते में रु 300 का इंस्टेन्ट कैशबैक मिलेगा।

कंपनी ने कोविड-19 टीकाकरण के बारे में प्रासंगिक जानकारी देने के लिए अपने ऐप पर कोविड-19 वैक्सीन ट्रैकर के लॉन्च का भी ऐलान किया है। इस वैक्सीन ट्रैकर की मदद से मर्चेन्ट्स अपनी लोकेशन के अनुसार, नज़दीकी कोविड-19 टीकाकरण केन्द्र का विवरण देख सकते हैं। साथ ही अपने चुने हुए केन्द्र में स्लॉट उपलब्ध होने पर नोटिफिकेशन भी पा सकते हैं।

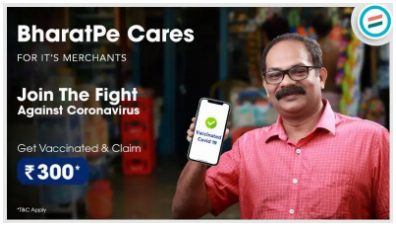

अभियान के बारे में विस्तार से बात करते हुए अश्नीर ग्रोवर, सह-संस्थापक एवं सीईओ, भारतपे ने कहा, ''कोविड के दौरान भारत के दुकानदारों ने लोगों को ज़रूरी सामान उपलब्ध कराकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अब समय आ गया है कि उन्हें धीरे-धीरे अनलॉक के साथ काम करना होगा। ऐसे में भारतपे सभी दुकानदारों को प्रोत्साहित करना चाहता है कि वे जल्द से जल्द टीका लगवा लें, ताकि आने वाले समय में उनकी दुकानें खुलने और कारोबार बढ़ने के साथ-साथ वे पूरी तरह से सुरक्षित रह सकें। क्योंकि अब कारोबार फिर से सामान्य होने लगेंगे।'' भारतपे देश भर में छोटे मर्चेन्ट्स एवं किराना स्टोर्स मालिकों के लिए वित्तीय समावेशन को वास्तविकता बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी एक डिजिटल बैंक बनना चाहती है तथा ऐसे वित्तीय उत्पादों की व्यापक रेंज के लॉन्च द्वारा देश में 50 मिलियन एसएमई समुदाय को सशक्त बनाने के लिए तत्पर है, जो उनकी ज़रूरतों को पूरा कर कारोबारों को सशक्त बना सकें।

सराफा और धानगली को सैनिटाइज किए जाने की मांग

इंदौर। सराफा व्यवसाई संतोष वाधवानी रत्न विशेषज्ञ ने नगर निगम आयुक्त एवं जोनल अधिकारियों से चर्चा कर सराफा और धान गली को सैनिटाइज किए जाने की मांग की है। वर्तमान में बाजार पूरी तरीके से बंद है ऐसी स्थिति में सैनिटाइजेशन किए जाने से उसका अच्छा प्रभाव पड़ेगा और जब बाजार खुलेंगे तो संक्रमण का खतरा कम हो जाएगा इसी उद्देश्य को लेकर रत्न विशेषज्ञ संतोष वाधवानी ने ग्राहकों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए नगर निगम इंदौर से इस क्षेत्र में विशेष ध्यान दिए जाने का आग्रह किया है।

वॉकहार्ट का दावा- 1 साल में बना सकती है 200 करोड़ वैक्सीन

सरकार को दिया आफर

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय दवा कंपनी वॉकहार्ट ने भारत सरकार से कहा है कि वह फरवरी 2022 तक 500 मिलियन वैक्सीन के उत्पादन की क्षमता रखती है। वहीं कंपनी एक साल में 2 बिलियन डोज यानी 200 करोड़ टीके की डोज का उत्पादन कर सकती है। कंपनी ने सरकार से कहा है कि उसके पास एक विविध पोर्टफोलियो बनाने के लिए विनिर्माण और अनुसंधान क्षमता है, जो इसे प्रोटीन आधारित और वायरल वेक्टर आधारित वैक्सीन का उत्पादन और आपूर्ति करने की अनुमति देगा. वहीं सरकार कंपनी के ऑफर की जांच कर रही है।

केंद्र सरकार को दिया आफर

एक समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने केंद्र सरकार को औपचारिक रूप से यह प्रस्ताव दिया है। वॉकहार्ट ने देश में संभावित सहयोगियों की पहचान करने में मदद मांगी है जिसके टीकों का वह उत्पादन कर सके। रिपोर्ट के अनुसार कंपनी ने सरकार से कहा है कि वह फिलहाल बाजार में मौजूद वैक्सीन का उत्पादन कर सकती है। इसके साथ ही उसकी वैक्सीन बनाने के लिए जरूरी तकनीक हासिल करने की प्रक्रिया जारी है। कंपनी के मुताबिक वह ऍ, प्रोटीन आधारित और वायरल सेक्टर आधारित तीनों तरह की वैक्सीन का उत्पादन और शोध कर सकती है। रिपोर्ट के अनुसार वॉकहॉर्ट किसी भी कोविड वैक्सीन की सालना 50 करोड़ डोज बनाने की क्षमता को जल्द से जल्द स्थापित कर सकती है। यह क्षमता स्थापित करने में 6 से 9 महीना लग सकता है। सूत्रों के अनुसार वॉकहार्ट की कंपनियों से बात चल रही है. आने वाले समय में एक अंतरराष्ट्रीय कंपनी के साथ समझौता हो सकता है।

यूके सरकार के साथ पहले से डील

वैसे भारत के बाहर वॉकहार्ट ने यूके सरकार के साथ पहले से ही यूके के लिए विशेष रूप से कोविड 19 वैक्सीन बनाने का समझौता किया हुआ है। जिसके चलते वॉकहार्ट एस्ट्राजेनेका ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी की वैक्सीन को शीशियों में भरने और देश के वैक्सीनेशन कार्यक्रम में इस्तेमाल करने के लिए तैयार कर रहा है।

सरकार कर रही है विचार

जानकारी के अनुसार सरकार कंपनी के इस आफर पर विचार रही है क्योंकि यूके सरकार के साथ पहले से ही यूनाइटेड किंगडम के लिए विशेष रूप से कोविड -19 टीकों को 'फिल एंड फिनिश' करने का समझौता है। फिलहाल कंपनी नॉर्थ वेल्स में अपने प्लांट से काम कर रही है। इसके पहले एक कार्यक्रम में रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने भी कहा था कि वॉकहार्ट ने पिछले हफ्ते बताया था कि वह किसी भी कंपनी (कोविड -19 के निर्माण के लिए) के साथ गठजोड़ करना चाहती है। इसलिए हम उस पर भी काम कर रहे हैं. हम एक कंपनी के साथ उनका टाइअप करवाएंगे।

भारत में स्पुतनिक-वी का उत्पादन शुरू, सालाना 10 करोड़ टीके का होगा उत्पादन

नयी दिल्ली। एजेंसी

घरेलू दवा कंपनी पैनेसिया बायोटेक ने रुस के सरकारी निवेश कोष रसियन डारेक्ट इन्वेस्टमेंट फंड (आरडीआईएफ) के साथ मिलकर भारत में स्पुतनिक-वी कोरोना वायरस टीके का उत्पादन शुरू कर दिया है। सोमवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई है। पैनेसिया बायोटेक के हिमाचल प्रदेश के बद्दी कारखाने में तैयार की गई कोविड19 के स्पूतनिक-वी टीके की पहली खेप रूस के गामालेया केन्द्र भेजी जायेगी जहां इसकी गुणवत्ता की जांच परख होगी। रूस का आरडीआईएफ स्पुतनिक-वी टीके को अंतरराष्ट्रीय बाजार में उपलब्ध कराता है। आरडीआईएफ और पैनेसिया बायोटेक ने भारत में स्पुतनिक-वी टीके की हर साल 10 करोड़ खुराक उत्पादन करने पर सहमत हुये हैं। दोनों की ओर से अप्रैल में इसकी घोषणा की गई थी। संयुक्त बयान के मुताबिक पूर्ण स्तर पर उत्पादन इन गर्मियों में ही शुरु होने की उम्मीद है। हालांकि, इसमें स्पष्ट तौर पर महीने का जिक्र नहीं किया गया है जब बड़े पैमाने पर टीके का उत्पादन शुरू होगा। आरडीआईएफ के मुख्य कार्यकारी किरिल्ल डमित्रिव ने कहा, ''पैनेशिया बायोटेक के साथ मिलकर भारत में उत्पादन की शुरुआत देश को महामारी से लड़ने में मदद की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।'' उन्होंने कहा कि स्पुतनिक-वी टीके का उत्पादन शुरू होने से भारत में कोरोना वायरस महामारी के संकटपूर्ण दौर से जितना संभव होगा उतनी जल्दी आगे निकलने के सरकार के प्रयासों को समर्थन मिलेगा। बाद में टीके का दूसरे देशों को निर्यात भी किया जा सकेगा ताकि दुनिया के अन्य देशों में भी महामारी के प्रसार को रोका जा सके। पैनेशिया बायोटेक के प्रबंध निदेशक राजेश जैन ने टीके के उत्पादन की शुरुआत पर कहा, ''स्पुतिनक-वी का उत्पादन शुरू होना एक महत्वपूर्ण कदम है। आरडीआईएफ के साथ मिलकर हम उम्मीद करते हैं देश के लोग फिर से सामान्य स्थिति महसूस कर सकें साथ ही दुनिया के देशों में भी स्थिति सामान्य करने में मदद मिलेगी।'' स्पुतनिक वी को भारत में 12 अप्रैल 2021 को आपातकालीन इस्तेमाल की अनुमति के साथ पंजीकृत किया गया। इसके साथ ही कोरोना वायरस की रोकथाम के लिये 14 मई से टीकाकरण अभियान में इसका इस्तेमाल भी शुरू कर दिया गया। घरेलू दवा विनिर्माता कंपनी डा. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने 14 मई को कहा था कि सीमित शुरुआत के हिस्से के तौर पर स्पुतनिक वी टीके की शुरुआत कर दी गई है और इसकी पहली खुराक हैदराबाद में दी गई है। संयुक्त बयान के मुताबिक स्पुतनिक वी टीके की दक्षता 97.6 प्रतिशत है। यह आंकड़ा रूस में 5 दिसंबर 2020 से 31 मार्च 2021 के बीच स्पुतनिक वी के दोनों घटकों के साथ रूस में किये गये टीकाकरण के लाभार्थियों में कोरोना वायरस संक्रमण दर के विश्लेषण पर आधारित है। इसमें कहा गया है कि अब तक स्पुतनिक वी को 66 देशों में पंजीकृत किया गया है। स्पुतनिक वी टीके को सामान्य रेफ्रीजिरेटर में बिना किसी अतिरिक्त बदलाव के साथ रखा जा सकता है।

बीते वित्त वर्ष में गुजरात को सबसे ज्यादा 30.23 अरब डॉलर का एफडीआई मिला

अहमदाबाद। आईपीटी नेटवर्क

गुजरात को बीते वित्त वर्ष 2020-21 में देश में सबसे ज्यादा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मिला है। यह लगातार चौथा साल है जबकि गुजरात देश में सबसे ज्यादा एफडीआई हासिल करने वाला राज्य रहा है। राज्य सरकार ने मंगलवार को बयान में यह जानकारी दी। देश में बीते वित्त वर्ष में आए कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में गुजरात का हिस्सा 37 प्रतिशत का रहा है। बयान के अनुसार, 2020-21 में देश में कुल 81.72 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आया। इसमें गुजरात का हिस्सा 30.23 अरब डॉलर रहा। गुजरात लगातार चौथे साल सबसे ज्यादा एफडीआई पाने वाला राज्य रहा है। बयान में कह गया है कि कोरोना वायरस महामारी के बावजूद राज्य एफडीआई के मामले में शीर्ष स्थान पर कायम रहा है। बयान के अनुसार, 2020-21 में राज्य में आए कुल एफडीआई में से 94 प्रतिशत कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर क्षेत्र को मिला। देशभर में इस क्षेत्र को मिले कुल एफडीआई में से अकेले 78 प्रतिशत गुजरात को प्राप्त हुआ। एफडीआई हासिल करने के मामले में 27 प्रतिशत के साथ महाराष्ट्र दूसरे और 13 प्रतिशत के साथ कर्नाटक तीसरे स्थान पर रहा। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रुपाणी ने कहा है कि पारदर्शी संचालन, उद्योग अनुकूल नीतियों तथा राज्य सरकार द्वारा उठाए गए कदमों की वजह से निवेशक प्रदेश में निवेश करना चाहते हैं।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने एमसीए 21 वी3.0 पोर्टल शुरू किया

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने सोमवार को अपने एमसीए21 पोर्टल का तीसरा संस्करण जारी किया। एक नया वेबसाइट, इलेक्ट्रॉनिक कंसल्टेशन मॉड्यूल और अन्य सुविधाएं तीसरे संस्करण में शामिल हैं। एमसीए21 को नये सिरे से तैयार किया जा रहा है। एमसीए21 कंपनी कानूनों के तहत विभिन्न दस्तावेजों को इलेक्ट्रॉनिक तरीके से दायर करने की सुविधा देता है। एमसीए21 वी3.0 (तीसरा संस्करण) का पहला चरण अब शुरू कर दिया गया है और दूसरा एवं अंतिम चरण इस साल अक्तूबर से शुरू किया जाएगा। यह पोर्टल कंपनियों के लिए जरूरी दस्तावेज और आवेदन जमा करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। इसे अलावा यह लोगों को कॉरपोरेट सूचना उपलब्ध कराता है। मंत्रालय के सचिव राजेश वर्मा ने कहा कि एमसीए21 वी3.0 अटैचमेंट की जरूरतों को कम कर देगा, फॉर्म को वेब आधारित बना देगा और साथ ही आवेदन भरने से पहले की व्यवस्था को मजबूत करेगा।

आसुस ने दुनिया की पहली कन्वर्टिबल गेमिंग लैपटॉप आरऑजी फ़्लो X13 और ज़ेफिरस सीरीज पेश की

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

आसुस रिपब्लिक ऑफ गेमर्स (आरओजी) ने भारत में नवीनतम ऐएमडी रीज़ेंरू 5000 एच-सीरीज़ मोबाइल प्रोसेसर की विशेषता वाले एक नए सीरीज़ की उपलब्धता की घोषणा की। आपकी उत्पादकता बढ़ाने और आपके गेमिंग अनुभव को अगले स्तर तक ले जाने के लिए डिज़ाइन किए गए, लैपटॉप की नई रेंज में आरऑजी फ़्लो ॅ13 शामिल है, जो एक डीटेचबल ाउइळ (एक्सजी मोबाइल) सपोर्ट, आरऑजी ज़ेफिरस डूओ 15 एसई, आरऑजी ज़ेफिरस जी15 और आरऑजी ज़ेफिरस जी14 के साथ उपलब्ध है। 'कॉम्पैक्ट इज द न्यू इम्पैक्ट' फिलासफी का प्रतिध्वनित करते हुए, नवीनतम गेमिंग लाइनअप लैपटॉप गेमिंग परिदृश्यों की विभिन्न संभावनाओं को अनलॉक करके गेमर्स को बहुविज्ञता प्रदान करता है। ये गेमिंग पीसी नवीनतम और शक्तिशाली ऐएमडी रीज़ेंरू 9 5900ष्ए और रीज़ेंरू 9 5900ॅ प्रोसेसर और एनवीडिया जेफोर्स जीपीयू के साथ आते हैं, जो उपभोक्ताओं के गेमिंग अनुभव को सशक्त करते हैं। इन मशीनों को प्रतिस्पर्धी टूर्नामेंटों में खिलाड़ियों और उत्साही लोगों को एक बेजोड़ गेमिंग अनुभव देने के लिए निर्मित किया गया है।

फ्लैगशिप आरओजी फ्लो एक्स13 कॉम्पैक्ट 13-इंच 1.3 किलोग्राम चेसिस के साथ पावर और अल्ट्रा-पोर्टेबिलिटी के बीच एक सही संतुलन बनाता है। यह दुनिया का सबसे शक्तिशाली 13-इंच कन्वर्टिबल गेमिंग लैपटॉप है जो एक स्लीक 360ष्ट एर्गोलिफ्ट हिंज पर आसानी से रूप बदलता है और आवश्यकता के अनुसार विभिन्न प्रकार से लैपटॉप का उपयोग संभव करता है। आरओजी फ्लो एक्स13 भी डीटेचबल ईजीपीयू, एक्सजी मोबाइल के साथ आता है, जो एक विशेष पीसीआई 3.ॅ8 इंटरफेस क्षमता का होता है जो प्रदर्शन, कनेक्टिविटी और पावर डिलीवरी को बढ़ाता है।

ज़ेफिरस की पंक्तिबद्ध में, आरऑजी ज़ेफिरस डूओ 15 एसई को गेमिंग से लेकर कंटेंट क्रिएशन और कोडिंग तक उपभोक्ताओं की सभी जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसे नवीनतम एएमडी रीज़ेंरू 9 5900ॅ प्रोसेसर और जेफोर्सरु आरटीएक्सरू 3080 जीपीयू के करण इसमें तेजी आई है। मल्टीटास्किंग के लिए लैपटॉप बिल्ट-इन आरओजी स्क्रीनपैड प्लस सेकेंडरी डिस्प्ले के साथ आता है और इसमें अनुकूलित ऐप्स हैं जो आपके वर्कफ़्लो को बढ़ाते हैं। ज़ेफिरस सीरीज़ का एक और पावर-पैक लैपटॉप, आरओजी जेफिरस जी15 एक सशक्त डिज़ाइन में है, जोकि अल्ट्रा-थिन आकार में मशीनीकृत होने से इसका चेसिस हल्का और पोर्टेबल है।

गेमिंग कंप्यूटर की नई रेंज पर टिप्पणी करते हुए, अर्नोल्ड सु, बिजनेस हेड, कंज्यूमर एंड गेमिंग पीसी, सिस्टम बिजनेस ग्रुप, एएसयूएस इंडिया ने कहा, 'हमारा आरओजी की नयी शृंखला नवाचारों के माध्यम से एक प्रभाव बनाने की फिलासफी है जो एक कॉम्पैक्ट डिजाइन में बहुविज्ञता को दर्शाता है। हमने उद्योग में कई नए आयाम हासिल किए हैं और फ्लैगशिप आरओजी फ्लो एक्स13, शक्तिशाली 13-इंच परिवर्तनीय गेमिंग लैपटॉप, वैगन में शामिल होने के लिए नवीनतम है। हमें विश्वास है कि नए आरओजी फ्लो एक्स13 और आरओजी जेफिरस लैपटॉप उन्नत नवाचारों के माध्यम से उत्पादकता को बढ़ाते हुए उपभोक्ताओं के गेमिंग अनुभव को बेहतर बनाएंगे। लैपटॉप को वैश्विक बाजार में उपयोगकर्ताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है, और अब हम भारत में अनुभव को दोहराने के लिए तैयारी में हैं'।

इंडिया सेल्स के एएमडी, प्रबंध निदेशक विनय सिन्हा ने कहा, 'उपभोक्ता, गेमिंग की लंबी अवधि, कंटेन्ट क्रीऐशन और उत्पादक कार्यों के लिए अत्यधिक प्रदर्शन और अविश्वसनीय पॉवर दक्षता की मांग करते हैं। अत्यधिक कुशल 'ज़ेन 3' कोर आर्किटेक्चर ने रीज़ेंरू 5000 एच-सीरीज़ मोबाइल प्रोसेसर को डेस्कटॉप-क्लास गेमिंग को नए आरऑजी फ़्लो ॅ13 के साथ एक हल्के कन्वर्टिबल फॉर्म फैक्टर में लाने में सक्षम बनाया है। रिफ्रेश्ड आरओजी जेफिरस सीरीज शानदार स्टाइल के साथ प्रभावशाली परफॉर्मेंस, पावर और पोर्टेबिलिटी देने के लिए आसुस के साथ हमारी संयुक्त प्रतिबद्धता का परिणाम है'।

इंडियन पॉवर बैक-अप मार्केट का भविष्य और विकास

गुरुग्राम। आईपीटी नेटवर्क

समूचे भारत में विद्युतीकरण दरों का विस्तार करने की सरकार की पहल, तकनीकी विकास और समग्र आर्थिक विकास के साथ, ऊर्जा की मांग आसमान छू रही है। बिजली की जरूरतों को पूरा करने के बाद क्रिटिकल सिस्टम्स को चलाने के लिए अबाध बिजली पर निर्भर रहना अनिवार्य हो गया है। परिणामस्वरूप, इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट भी अर्थव्यवस्था में अपना स्थान बना रहा है। वर्ष 2023 तक, इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट 500 अरब रुपये तक पार कर लेगा, ऐसा अनुमान है।

पॉवर बैकअप मार्केट को मोटे तौर पर तीन क्षेत्रों में विभाजित किया जा सकता है:

1) डीजल जनरेटर्स
2) यूपीएस और
3) इन्वर्टर्स

डीजल जनरेटर इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट का 25% सम्मिलित करता है और 8.1% की सीएजीआर (कंपाउंड एन्युअल ग्रोथ रेट) प्रदर्शित है। टेलीकॉम इंडस्ट्री, डीजल जनरेटर्स के लिए महत्वपूर्ण चालक है, जो स्थापित आधार के 40% से अधिक को सम्मिलित करता है। इसके बाद कंस्ट्रक्शन तथा हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्रीज आती हैं।

यूपीएस मार्केट 11.97% की सीएजीआर प्रदर्शित हुए, इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट का 20% सम्मिलित करता है। बढ़ते इंवेस्टमेंट्स तथा आईटी सेक्टर के तेज विकास ने यूपीएस मार्केट में उछाल लाने में योगदान दिया है। इन्वर्टर्स पूरे इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट के लगभग आधे हिस्से को सम्मिलित करते हैं, जो 9.33% की सीएजीआर प्रदर्शित करते हैं।

इंडियन इन्वर्टर मार्केट वर्ष 2023 तक 280 बिलियन रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है। इन्वर्टर मार्केट में मांग और वृद्धि को रेसिडेंशियल, कमर्शियल तथा इंडस्ट्रियल सेक्टर्स में पॉवर बैकअप सॉल्यूशंस की आवश्यकता के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। इन्वर्टर्स द्वारा प्रदान किए गए लाभों को ध्यान में रखते हुए, वे अब कोई लक्जरी नहीं; बल्कि बेहद आवश्यक प्रोडक्ट्स हैं। इन्वर्टर टाइप के आधार पर, सेंट्रल इन्वर्टर्स सबसे प्रमुख सेगमेंट का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसमें सबसे बड़ा मार्केट शेयर सम्मिलित होता है। इन इन्वर्टर्स द्वारा दिए जाने वाले लाभों में उच्च दक्षता, कम लागत, विश्वसनीयता और आसान इंस्टॉलेशन सम्मिलित है। स्ट्रिंग इन्वर्टर्स तथा अन्य, सेंट्रल इन्वर्टर्स का अनुसरण करते हैं।

टेक्नोलॉजी में प्रगति के बारे में बात करते हुए, इन्वर्टर तथा यूपीएस सिस्टम्स के रुझान सोलर-बेस्ड सॉल्यूशंस की ओर बढ़ रहे हैं। सोलर-पॉवर्ड इन्वर्टर्स सोलर पैनल्स से बिजली को विनियमित करने के लिए एक अलग सोलर चार्ज कंट्रोलर के साथ आते हैं। साथ ही यूपीएस सिस्टम दो इनबिल्ट चार्जर्स- ग्रिड चार्जर और सोलर चार्जर से लैस है, जो बिजली की विफलता के दौरान तत्काल बिजली की आपूर्ति प्रदान करते हैं।

आजकल, IoT (इंटरनेट ऑफ थिंग्स) ने इन्वर्टर्स तथा ळइए सिस्टम्स के बढ़ते हुए इंटेलिजेंस से उम्मीदें बढ़ा दी हैं। स्टैंडअलोन डिवाइसेस होने के बजाए, ये सिस्टम्स एक इंटेलिजेंट नेटवर्क के साथ बेहतरी से काम करते हैं। घ्दऊ सिस्टम्स, कंज्यूमर्स को आने वाली समस्याओं के बारे में अग्रिम रूप से सचेत कर देते हैं, मेंटेनेंस को सक्षम करते हैं तथा संचालन में आसानी बरतते हैं।

साथ ही, थर्ड-पार्टी मेंटेनेंस सुविधा रिमोट मॉनिटरिंग के माध्यम से 24/7 मेंटेनेंस सर्विसेस की अनुमति प्रदान करती है। इस तरह के एलिवेशन्स के साथ, इन्वर्टर्स आज आकर्षक लुक और इंटेलिजेंट फीचर्स जैसे इंटेलिजेंट कनेक्टिविटी और एक ऐप के साथ जोड़े गए हैं, जो इन्वर्टर स्टेटस, बैटरी स्टेटस, शेष बैकअप आदि प्रदर्शित करते हैं।

जनसोलर का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इस विशाल इन्वर्टर मार्केट पर खास पकड़ बनाना है। कीमत और गुणवत्ता पर ध्यान देने के साथ ही इस मार्केट में प्रतिस्पर्धा करने के लिए जनसोलर ने कई सोलर प्रोडक्ट्स पेश किए हैं, जिसमें कई सोलर कॉम्बो भी सम्मिलित हैं। इसका मुख्य उद्देश्य गांवों और छोटे शहरों में रहने वाले नागरिकों को भारी बिजली बिलों से मुक्त करना और हर घर में रोशनी प्रदान करना है।

> **भारत में विद्युतीकरण दर का विस्तार करने के लिए सरकार की पहल और तकनीकी विकास से आने वाले वर्षों में इंडियन इन्वर्टर मार्केट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। हम आने वाले वर्षों में इस मार्केट को सर्विस देने की उम्मीद कर रहे हैं। -प्रणेश चौधरी, फाउंडर तथा सीईओ जनरूफ टेक प्राइवेट लिमिटेड**

वर्तमान मार्केट का आकार तथा प्रिडिक्शन्स:

2020 टर्नओवर = INR । 350 बिलियन
2023 अपेक्षित टर्नओवर = INR । 500 बिलियन

प्रोडक्ट सेग्मेंट्स:

1. डीजल जेनरेटर

- ☐ इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट का। 25% सम्मिलित करता है
- ☐ टेलीकॉम (प्रोडक्शन का 40% उपयोग करता है), कंस्ट्रक्शन, हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्रीज से डिमांड
- ☐ 8.1% की सीएजीआर (कंपाउंड एन्युअल ग्रोथ रेट)

2. यूपीएस

- ☐ इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट का। 20% सम्मिलित करता है
- ☐ आईटी सेक्टर के लिए प्रमुख डिमांड
- ☐ 11.97% की सीएजीआर

3. इन्वर्टर

- ☐ इंडियन पॉवर बैकअप मार्केट का। 50% सम्मिलित करता है
- ☐ रेसिडेंशियल, कमर्शियल तथा इंडस्ट्रियल सेक्टर्स में पॉवर बैकअप सॉल्यूशंस की डिमांड
- ☐ 9.33% की सीएजीआर

अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस पर अपना टी फॉर पॉजिटिविटी अभियान

वैश्विक महामारी के बीच पॉजिटिविटी के लिए कदम

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

देश भर में भरोसेमंद कुल्हड़ चाय परोसने वाले चाय बार चेन, चाय सुट्टा बार ने अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस के अवसर पर अपने टी फॉर पॉजिटिविटी अभियान की शुरुआत की घोषणा की। इस अभियान के शुभारंभ के साथ, ब्रांड का लक्ष्य इस वैश्विक महामारी के दौर में फैली हर किस्म की निगेटिविटी से निपटने के लिए जनता तक पहुंचना और चाय के साथ पॉजिटिविटी फैलाना है। चाय सुट्टा बार देश की एक चाय बार चेन है जो अपनी शुरुआत से ही अपनी जीवंतता और पॉजिटिविटी के लिए जानी जाती है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय चाय दिवस लॉकडाउन के बीच होने के कारण, लोगों और उनकी चीजों के बीच उम्मीद और पॉजिटिविटी की एक किरण की तलाश है। इस अवसर पर श्री अनुभव दुबे, सह-संस्थापक चाई सुट्टा बार इंडिया ने कहा; 'चाय हमारे जीवन का एक अभिन्न अंग है। चाय के आदी बहुत कम ऐसे लोग हैं, जो चाय के बिना जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते हैं। इस वैश्विक महामारी के कारण सबसे अधिक चर्चित 'चाय पे चर्चा' करना बेहद असहज और असामान्य हो गया है। लेकिन हम चाय सुट्टा बार में उम्मीद करते हैं कि आज जो भीड़ अस्पतालों में जमा है, वह चाय शॉप पर जरूर आएगी, दिन फिर से बेहतर होंगे और हम एक बार फिर कहेंगे 'चाय पे चलते हैं यार' या 'लेट्स टेक ए टी-ब्रेक'। टी फॉर पॉजिटिविटी अभियान के साथ हमारा लक्ष्य आप सभी के जीवन में यह पॉजिटिविटी लाना है और आपके आस-पास की निगेटिविटी दूर करना है।' टी फॉर पॉजिटिविटी अभियान को ब्रांड द्वारा तीन चरणों में पूरा किया जाएगा और अभियान को शुरू करने के लिए, ब्रांड पहले अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पहल करेगा, जिसमें निदेशक स्वयं उम्मीद की किरण और पॉजिटिविटी का विचार फैलाएंगे। साथ ही, चाई सुट्टा बार ब्रांड ऐसे कर्मचारियों को रोजगार देने के लिए भी जाना जाता है जो समाज के उत्थान में मदद करते हैं। इस चरण में चाय सुट्टा बार का उद्देश्य न केवल अनाथों, दिव्यांगों और समाज में गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की मदद करना है, बल्कि इस वर्ग के लिए रोजगार के अवसर भी पैदा करना है। अभियान का समर्थन करने के लिए जारी एक बयान में, श्री आनंद नायक, सह-संस्थापक, चाय सुट्टा बार ने कहा कि 'हम अभियान शुरू करने के लिए उत्साहित हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि अन्य दो चरण भी इस अभियान के अनुरूप होंगे और पॉजिटिविटी फैलाने के साथ-साथ समाज के कल्याण को बढ़ावा देंगे।'

कोरोना संकट के दौर में स्मगलर्स भी हो गए हैं क्रिएटिव, जानिए कैसे-कैसे तरीके अपना रहे हैं

खाड़ी देशों से फ्लाइट में यात्रा के दौरान सोने की तस्करी के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। चेन्नई में मास्क में छिपाकर लाए जा रहे लाखों रुपए के सोने की तस्करी का मामला पकड़ा गया है।

गोल्ड तस्करी का बदला तरीका

कोरोना संकट के दौर में ड्रग्स और सोने की तस्करी करने वाले स्मगलर भी स्मार्ट हो गए हैं। कस्टम अधिकारियों के मुताबिक अब उनके लिए विदेश से ड्रग्स और सोने जैसी चीजें छुपा कर लाना बहुत आसान हो गया है। गोल्ड और ड्रग्स की स्मगलिंग करने वाले बस कर अब ऐसी ऐसी चीजों में विदेश से छुपाकर यह चीजें ला रहे हैं कि अधिकारियों के लिए उन्हें पकड़ना बहुत मुश्किल हो गया है। एयरपोर्ट पर तैनात अधिकारी अभी तक जिन चीजों को यह सोच कर छोड़ देते थे कि इसमें सोने की तस्करी नहीं की जा सकती, अब लोग उन चीजों में भी भर कर या छुपा कर सोना ला रहे हैं।

फेस मास्क में सोने की स्मगलिंग

विदेश से इन चीजों की तस्करी करने वाले धोखेबाज अब फेस मास्क, इमरजेंसी लाइट, टीवी और पास्ता बनाने वाली मशीन में छुपाकर सोने की तस्करी कर रहे हैं।पिछले कुछ समय में कई ऐसे तस्कर भी पकड़े गए हैं जो सोने को पिघलाकर उसका नॉब एरोप्लेन के वाटर हीटर कैप में लगाकर विदेश से भारत तक ला रहे हैं। सोने की तस्करी करने वाले लोग अपने शरीर के उन अंगों में भी सोना छुपा कर ला रहे हैं जहां कोई शक नहीं कर सकता।

बढ़ गई है गोल्ड स्मगलिंग

इसके साथ ही स्मगलिंग के लिए टी-शर्ट की बुनाई करते हुए ही उसमें धागे की तरह सोने को स्मगल किया जा रहा है। इसके साथ ही अगर पिछले 19 और 27 अप्रैल की बात करें तो एक महिला और एक पुरुष को सोने की तस्करी करते हुए पकड़ा गया था। इन दोनों मामलों में सोने की वैल्यू 25 लाख से अधिक आंकी गई थी। जानकारों का कहना है कि विदेश में बड़े पैमाने पर छंटनी की वजह से कोरोना संकट में गोल्ड की स्मगलिंग बढ़ी है। भारत के जिन लोगों की नौकरी चली गई है वह विदेश से वापस लौटते समय अपनी कुछ दिनों की आमदनी सुनिश्चित करने के हिसाब से गोल्ड की स्मगलिंग कर रहे हैं।

ड्रग्स की बढ़ी तस्करी

कोरोना संकट में ड्रग्स की तस्करी भी बढ़ी है। 15 अप्रैल के बाद से दिल्ली एयरपोर्ट पर हेरोइन की पांच बड़ी खेप पकड़ी जा चुकी है। इसकी कुल वैल्यू रु. 160 करोड़ के करीब है एक अकेले मामले में रु. 98 करोड़ की हेरोइन की तस्करी पकड़ी गई है। कस्टम अधिकारियों ने जनवरी में एक अफगान नागरिक को रोककर तलाशी ली तो उसके पेट में प्लास्टिक की 89 टेबलेट में ड्रग्स मिला। इन कैप्सूल से लगभग 635 ग्राम हेरोइन निकला था। इसकी कीमत 4.50 करोड़ थी।

फ्लाइट की संख्या घटी

1 अप्रैल से 19 मई के बीच 22 मामलों में 23 किलो सोने की तस्करी पकड़ी गई इसकी वैल्यू करीब रु. 10 करोड़ रुपये है। चेन्नई एयरपोर्ट के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। दिलचस्प है कि जैसे एयरपोर्ट पर रोजाना सिर्फ तीन से छह इंटरनेशनल फ्लाइट आती हैं। अप्रैल की शुरुआत में इस तरह के फ्लाइट की संख्या 10 से 13 थी। ऐसा समझा जा रहा है कि फ्लाइट की संख्या घटने के बाद भी सोने की तस्करी के मामले बढ़ने के पीछे भारत में सोने की बढ़ती कीमत और दुनिया भर में आर्थिक संकट है।

टॉयलेट के डिस्क में गोल्ड

इस बारे में कस्टम के एक अधिकारी ने कहा, 'हम अभी देख रहे हैं कि सोने की तस्करी करने वाले लोग फेस मास्क, एलईडी टेलीविजन और इमरजेंसी लाइट का प्रयोग कर रहे हैं। इसके साथ ही अब टैंग जैसे इंस्टैंट ड्रिंक के कंटेनर और पोस्टल पार्सल में भी सोना लाया जा रहा है। एक एरोप्लेन के वाटर हीटर के कैप पर गोल्ड डिस्क फिट किया गया था।' यह गोल्ड डिस्क फ्लाइट के टॉयलेट में ही छोड़ दिया जाता है और जब यह फ्लाइट किसी डोमेस्टिक रूट पर उड़ान भरती है तो इसमें कोई दूसरा पैसेंजर इस डिस्क को निकाल कर ले जाता है, उसे पहले से इस बात की खबर होती है।

वाहनों को बेहतर बनाने के उद्देश्य से अक्टूबर से नए नियम लागू करने का प्रस्ताव

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

यात्री कारों और वाणिज्यिक वाहनों के टायरों को सड़कों पर सुरक्षा और ईंधन की बचत की दृष्टि से बेहतर रखने के लिए नए नियम लागू किए जाएंगे। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय ने कारों, बसों और ट्रकों के टायर के लिए सड़क पर आवर्ती-घर्षण, गीली सड़क पर टायर की पकड़ और वाहन के चलते समय टायर से उत्पन्न ध्वनि के बारे में नियमों का मसौदा जारी किया है। शुक्रवार को जारी सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित कराना है कि वाहनों के टायर अधिक भरोसे मंद और अच्छे हों। मंत्रालय ने नए माडल के टायरों के लिए इन नियमों को 1, अक्तूबर 2021 और वर्तमान माडल के टायरों के लिए 1, अक्तूबर 2022 से लगू करने का प्रस्ताव किया है। मंत्रालय की ओर से एक के बाद एक कई ट्यूट में कहा गया है कि टायरों को आवर्ती घर्षण, गीली सड़क पर टायर की पकड़ और आवाज के संबंध में वाहन उद्योग के लिए मानकों की श्रृंखला (एआईएस) 142:2019 के चरण दो में विनिर्दिष्ट एवं समय समय पर संशोधित मानकों के अनुरूप होना चाहिए। इन नियमों के बारे में सुझाव और आपत्तियां सरकार को भेजी जा सकती हैं। ये नियम यूरोप में 2016 में लागू नियम जैसे ही हैं।

साइकिलों के रिफ्लेक्टर की गुणवत्ता के नए नियम जनवरी 2022 से

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने देश में घटिया उत्पादों का उत्पादन रोकने और आयात को कम करने के उद्देश्य से साइकिलों में पीछे लगने वाले रिफ्लेक्टर (रंगीन परावर्तक उपकरण) की गुणवत्ता नियंत्रण के नियम मंगलवार को जारी किये। इनमें साइकिलों में पीछे लगने वाले ये उपकरण नजदीक आने वाले दूसरे वाहनों को दूर से चमकते है। इससे साइकिल चालक की सुरक्षा होती है। डीपीआईआईटी के मुताबिक इस प्रकार के उपकरणों को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के लाइसेंस के तहत उन पर एक मानक चिह्न रखना होगा और निर्धारित मानकों का अनुपालन करना होगा। नियम के मुताबिक साइकिल में सुरक्षा की दृष्टि से लगाये जाने वाले ऐसे परावर्तक उपकरणों को बीआईएस चिन्ह के बिना उनका उत्पादन, बिक्री, व्यापार, आयात और भंडारण कुछ भी नहीं किया जा सकेगा। डीपीआईआईटी का यह आदेश एक जनवरी 2022 से अमल में आयेगा। अधिसूचना में कहा गया है कि गुणवत्ता मानकों के प्रमाणन और उन्हें लागू करने के लिये बीआईएस सक्षम प्राधिकरण होगा। हालांकि, अधिसूचना में कहा गया है कि -बाइसाइकिल रेट्रो रिफलेक्टिव डिवासेज (क्वालिटी कंट्रोल) आर्डर 2021 -- निर्यात किये जाने वाले सामान और वस्तुओं पर लागू नहीं होगा। विभाग ने इससे पहले कुछ इस्पात उत्पादों और केबल सहित कई सामानों के लिये इसी प्रकार के नियम जारी किये थे। सरकार गैर- जरूरी 350 से अधिक उत्पादों का आयात कम करने की दिशा में काम कर रही है। यही वजह है कि इनके लिये सुरक्षा और गुणवत्ता मानकों सहित तकनीकी नियमन पर भी सरकार काम कर रही है।

वायरस युद्ध के काल में बुद्ध की प्रासंगिकता -डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी

■बुद्ध का प्रभाव चीन-जापान-कोरिया-नेपाल-थाईलैण्ड-तिब्बत-श्री लंका आदि देशों में भी पर्याप्त रहा है। ■बुद्ध की सीख को नज़रअंदाज़ किया है वर्तमान विश्व ने। ■ये वायरस जनित युद्ध 'बुद्ध की शिक्षाओं' पर कुठाराघात है। ■'बुद्धं शरणम् गच्छामि' का भाव वर्तमान समाज में अदृश्य हो गया है। ■अहिंसा, विश्व प्रेम एवं बंधुत्व-भाव का हो रहा है लोप। ■पाश्चात्य शैली ने समाज का नाश करने की ठान ली है।

'बुद्धं शरणम् गच्छामि' कहते, सुनते या पढ़ते ही मन अपार शांति की अनुभूति करने लगता है। बुद्ध का ध्यान करने मात्र से ही पंचभूतों से बने इस शरीर में अपार शांति एवं सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होने लगता है। महात्मा बुद्ध ने अपने अंतर में इंद्रिय निग्रह के द्वारा परम् शांति की स्थापना की थी। विश्व शांति, प्रेम एवं करुणा की अप्रतिम मूर्ति माने जाते हैं महात्मा बुद्ध। विभिन्न देशों में अनवरत अथक यात्राओं के माध्यम से शांति, प्रेम एवं करूणा के संदेश से जगत को तृप्त करने का अद्भुत प्रयास करने वाले भगवान बुद्ध आज भी और सदा पूजनीय एवं प्रासंगिक रहेंगे।

शांति प्रेम और करुणा ही जीवन के सार है। गौतम बुद्ध ने शांति की खोज में निरंतर भ्रमण एवं यात्रायें कीं। प्रेम के मर्म को जन-जन तक पहुँचाने का यत्न किया। असहायों, पशु-पक्षियों, निराश्रितों के लिये करुणा भाव को धरे विचलित हुये परंतु शांत रहे। जीवन की नश्वरता को जान चुके थे बुद्ध। एक ऐसा ठहराव उनके जीवन में आ चुका था जो स्वयं में परमेश्वर की अनुभूति करने जैसा था। उन्होंने अंगुलीमाल जैसे नृशंस हत्यारे डाकू को भी ठहराव प्रदान किया था। उनके शब्द 'मैं तो ठहर गया तू कब ठहरेगा' ने अंगुलीमाल सरीखे कईयों का कल्याण किया है।

वर्तमान वायरस युद्ध काल में भी बुद्ध उतने ही प्रासंगिक हैं। हम बुद्ध के रूप को मानते हैं उनकी शिक्षाओं को नहीं। जबकि, बुद्ध ने राग, रूप, यौवन,विलासिता, राजसुख आदि का त्याग कर बुद्धत्व को प्राप्त किया था। बुद्ध की शिक्षाओं वाली करूणा अब दूर-दूर तक नहीं दीखती। बुद्ध की शिक्षाओं वाली शांति अपने अस्तित्व को ढूँढती अलाप कर रही है। बुद्ध की शिक्षाओं वाले प्रेम एवं बंधुत्व ने अब गलाकाट प्रतियोगिता का स्वरूप ले लिया है। समूचा विश्व वायरस से त्रस्त है। सबके मन एवं मस्तिष्क एक अज्ञात भय से भयभीत हैं। क्या बुद्ध अब युद्ध बन चुके हैं? विचारणीय अब यह है कि अब हम कौन हैं? हम किससे ग्रसित हैं? मानसिक वायरस से या शारीरिक वायरस से? क्या यह मंत्र आज भी उतना ही प्रासंगिक है 'बुद्धं शरणं गच्छामि' ।

भय-लोभ अंधकार हैं जिनसे उबरना ही बुद्ध तत्व को प्राप्त करना है। प्रेम-करूणा एवं विश्व बंधुत्व ही समाज के विकास के लिये एवं सृष्टि के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिये आवश्यक है। बाक़ी सब कुछ नश्वर है। इस बुद्ध भाव का बोध प्राणी को मनुष्य से परमेश्वर बनाता है। मन-बुद्धि-विवेक को परम् वैभव तक पहुँचाता है। यही बोधि तत्व है और यही बोधिसत्व है।

डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी
मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स, इंदौर में प्रोफ़ेसर एवं समूह निदेशक की भूमिका में कार्यरत हैं।

ग्रामीण इलाके में कोरोना संक्रमण बढ़ने की वजह से क्यों परेशान है ऑटो इंडस्ट्री

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में कोरोना संकट के दूसरे चरण की वजह से आटोमोटिव इंडस्ट्रीकाफी दबाव में है। पिछले साल कोरोनावायरस संकट के बाद आटोमोटिव इंडस्ट्री में तेज रिकवरी देखी गई थी क्योंकि कोविड का असर ग्रामीण इलाकों पर नहीं पड़ा था। पिछले साल कोरोनावायरस संक्रमण रोकने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन किया गया था और इस वजह से कोरोनावायरस के मामले कम पड़ने के बाद ग्रामीण इलाकों से आटोमोटिव कारोबार के लिए जोरदार मांग निकल कर सामने आई थी।

देश के आटोमोटिव सेल्स में ग्रामीण बाजार की हिस्सेदारी 30 से 50 फ़ीसदी तक है। कोरोनावायरस संकट के पहले चरण में ग्रामीण इलाके पर म्दन् 19 के कम असर की वजह से यह असर देखा गया था। इस वजह से देश के शहरों से पहले ग्रामीण इलाकों में आटोमोटिव इंडस्ट्री की सेल में रिकवरी दर्ज की गई थी।

टालने लगे हैं बड़ी खरीदारी

कोरोना संक्रमण के दूसरे चरण में ग्रामीण भारत से लोगों के मरने की काफी खबरें आ रही हैं। ग्रामीण भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि सेक्टर का महत्वपूर्ण योगदान है और भारत सरकार का अनुमान है कि इस साल भी मॉनसून सामान्य रहने की वजह से फसल उपज का रिकॉर्ड बन सकता है। इसके बाद भी

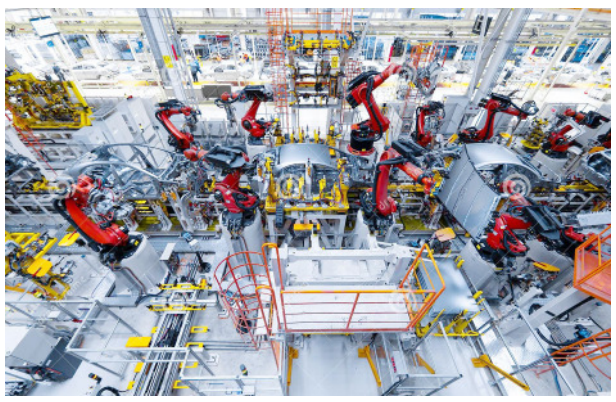

ग्रामीण इलाके के ग्राहकों के सेंटीमेंट पर असर पड़ा है। ग्रामीण इलाके में कोरोनावायरस संकट बढ़ने की वजह से लोग अब जोखिम लेने से बच रहे हैं और वाहन जैसी बड़ी खरीदारी को टाल रहे हैं।

आंकड़ों की मदद से गांव को समझें

भारत की जीडीपी में राज्यों का हिस्सा करीब 80 फ़ीसदी है, जबकि ऑटो कंपनियों की बिक्री में राज्यों की हिस्सेदारी 90 फीसदी है। देश के कई राज्यों में कोरोनावायरस संक्रमण रोकने के लिए लॉकडाउन किया गया है। देश में कोरोनावायरस संकट बढ़ने की वजह से मेडिकल पर 90,000 करोड़ रुपये तक का अतिरिक्त खर्च किया जा सकता है। ग्रामीण इलाके से इस रकम की 33 फ़ीसदी हिस्सेदारी आने का अनुमान है। इस वजह से आशंका जताई जा रही है कि अब ग्रामीण भारत के लोग भी बड़ी खरीदारी से बच सकते हैं।

कोरोना संक्रमण गांव में कितना

कोरोना के सेकेंड वेव में ग्रामीण इलाकों की हिस्सेदारी 45 से 80 फ़ीसदी तक है। मार्च में देश के ग्रामीण जिले में कोरोना संक्रमण करीब 37 फ़ीसदी था जो मई में बढ़कर 48 फ़ीसदी को पार कर गया है।अगर देश की कुल राष्ट्रीय आय की बात करें तो इसमें ग्रामीण अर्थव्यवस्था की हिस्सेदारी 45-46 फीसदी है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक तिहाई लोग आमदनी के लिए खेती पर निर्भर हैं।

कार बिक्री पर दिखने लगा असर

मारुति सुजुकी इंडिया के सीनियर एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर शशांक श्रीवास्तव ने कहा, 'ग्रामीण बाजारों से अप्रैल के दूसरे पखवाड़े से कमजोरी की खबरें आने लगी है। जहां तक कार खरीदारी का सवाल है, इसमें सेंटीमेंट की बड़ी भूमिका होती है।'

वर्ष 2020-21 में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 2.66 प्रतिशत बढ़कर 30 करोड़ 54.3 लाख टन होगा: सरकार

नयी दिल्ली। एजेंसी

कृषि मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत का खाद्यान्न उत्पादन चालू फसल वर्ष 2020-21 में 2.66 प्रतिशत बढ़ कर 30 करोड़ 54.3 लाख टन के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। इसका कारण पिछले साल अच्छी मॉनसून की बारिश के बीच चावल, गेहूं और दालों के बेहतर उत्पादन का होना है। फसल वर्ष 2019-20 (जुलाई-जून) में, देश का खाद्यान्न उत्पादन (गेहूं, चावल, दाल और मोटे अनाज सहित) रिकॉर्ड 29.75 करोड़ टन रहा था।

फसल वर्ष 2020-21 के लिए तीसरा अग्रिम अनुमान जारी करते हुए कृषि मंत्रालय ने कहा कि खाद्यान्न उत्पादन रिकॉर्ड 30 करोड़ 54.3 लाख टन होने का अनुमान है। कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने उत्पादन में वृद्धि के लिए किसानों और वैज्ञानिकों के प्रयासों के साथ-साथ केंद्र सरकार की नीतियों को श्रेय दिया। आंकड़ों के अनुसार, फसल वर्ष 2020-21 में चावल का उत्पादन रिकॉर्ड 12 करोड़ 14.6 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि पिछले वर्ष यह उत्पादन 11 करोड़ 88.7 लाख टन था। गेहूं का उत्पादन वर्ष 2020-21 में, पिछले वर्ष के 10 करोड़ 78.6 लाख टन से बढ़कर रिकॉर्ड 10 करोड़ 87.5 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि मोटे अनाज का उत्पादन एक साल पहले के चार करोड़ 77.5 लाख टन से बढ़कर चार करोड़ 96.6 लाख टन होने की संभावना है। दलहन उत्पादन दो करोड़ 55.6 लाख टन होने का अनुमान है, जो फसल वर्ष 2019-20 में दो करोड़ 30.3 लाख टन के उत्पादन की तुलना में अधिक है।

गैर-खाद्यान्न श्रेणी में, तिलहन का उत्पादन वर्ष 2020-21 में तीन करोड़ 65.6 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष तीन करोड़ 32.1 लाख टन था।

गन्ने का उत्पादन पिछले वर्ष के 37 करोड़ पांच लाख टन से बढ़कर 39 करोड़ 27.9 लाख टन होने का अनुमान है, जबकि कपास का उत्पादन पिछले वर्ष के तीन करोड़ 60.7 लाख गांठों से बढ़कर तीन करोड़ 64.9 लाख गांठ (170 किलोग्राम प्रत्येक) होने की उम्मीद है। फसल वर्ष 2020-21 में जूट/मेस्टा का उत्पादन थोड़ा घटकर 96.2 लाख गांठ (180 किलोग्राम प्रत्येक) रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 98.7 लाख गांठ का हुआ था। मंत्रालय ने कहा कि राज्यों से मिली जानकारियों के आधार पर खाद्यान्न का अनुमान लगाया गया है।

सरसों का तेल पहुंचा आसमान में

एक साल में 50 फसदी बढ़े खाद्य तेलों के दाम

नई दिल्ली। एजेंसी

खाद्य तेलों के दाम पिछले कुछ महीनों में पेट्रोल और डीजल के दामों से भी आगे निकल गए हैं। पिछले एक साल में खाने वाले तेल की कीमतों में करीब 50 फीसदी बढ़ोतरी देखी गई है। पिछले साल कच्ची घानी सरसों तेल 110-115 रुपये/ लीटर उपलब्ध था। आज वही कच्ची घानी सरसों तेल का दाम खुदरा बाजारों में 160-170 रुपये लीटर हो चुका है। यानी पिछले साल के मुकाबले इस साल कच्ची घानी सरसों तेल की कीमत में 30 से 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। ओवरऑल तेल की कीमतें पिछले साल की तुलना में करीब 50 फीसदी बढ़ी हैं। पिछले एक हफ्ते में ही खाद्य तेलों की

कीमतों में 7-8 फीसदी का इजाफा देखा गया है।

दिल्ली में तेलों के दाम में बेतहाशा बढ़ोतरी

खुदरा बाजारों में खाद्य तेल की कीमतों में पिछले एक हफ्ते में करीब 7-8 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कच्ची घानी सरसों का तेल कुछ दिन पहले तक 150-155 रुपये लीटर था। अब, यह 160-170 रुपये लीटर है। वहीं, सोयाबीन रिफाइंड ऑयल 160 रुपये लीटर है। रिफाइंड ऑयल की कीमतों में भी काफी बढ़ोतरी हुई है। पामोलीन ऑयल 135 रुपये लीटर है। व्यापारियों का कहना है कि सरसों की नई फसल भी कट गई है, इसके बावजूद तेल की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।

चीन ने बिगाड़ा खाद्य तेलों के बाजार का गणित

द सेंट्रल ऑर्गेनाइजेशन फॉर ऑयल इंडस्ट्रीज एंड ट्रेड के वाइस प्रेजिडेंट सुरेश नागपाल के अनुसार, 70 फीसदी खाद्य तेल इंडोनेशिया, मलयेशिया, ब्राजील और यूएसए जैसे देशों से आते हैं। इसलिए भारत में भी तेल की कीमतें अंतरराष्ट्रीय मार्केट में तेल के कीमतों पर निर्भर करता है। पिछले साल लॉकडाउन के दौरान से ही चीन समान्य से कई गुना ज्यादा तेल का आयात इन देशों से कर रहा हैं। इन देशों में तेल न मिलने पर चीन किसी भी कीमत पर तेल लेने को तैयार है। इसका असर यह हुआ है कि जिन देशों से भारत खाद्य तेलों का आयात करता है, वहां पामोलीन और सोयाबीन ऑयल का स्टॉक कम हो गया है। तेल की डिमांड पहले से अधिक है और स्टॉक कम है, जिससे उन देशों ने पिछले कुछ दिनों में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी की है। इसका सीधा प्रभाव यहां भी तेल की कीमतों पर पड़ा है और खुदरा बाजारों में तेल की कीमतें बढ़ी हैं।

बायो-डीजल के प्रमोशन का भी पड़ा असर

नागपाल का कहना है कि अमेरिका जैसे देशों में ईंधन के रूप में अब बायो-डीजल का इस्तेमाल होने लगा है। ऐसे डीजल के निर्माण में सोयाबीन और मक्के का इस्तेमाल अधिक होता है। इस वजह से तेल निकालने के लिए सोयाबीन उतना नहीं मिल पा रहा है। सोयाबीन ऑयल की कीमतों में बढ़ोतरी का यह कारण यह भी है। उनका कहना है कि एक-दो दिन पहले तिलहन व्यापारियों की भारत सरकार के डिपार्टमेंट ऑफ फूड एंड पब्लिक डिस्ट्रिब्यूशन विभाग के सेक्रेटरी के साथ मीटिंग भी हुई थी जिसमें खाद्य तेलों पर इंपोर्ट ड्यूटी कम करने को लेकर बातचीत हुई। लेकिन, ज्यादातर व्यापारी इस पर सहमत नहीं थे।

SBI ने 9 करोड़ ग्राहकों को दिया झटका

ATM से 4 बार से ज्यादा निकाले पैसे तो देना होगा चार्ज

मुंबई। एजेंसी

पिछले महीने की 11 अप्रैल को एक बॉम्बे हाई कोर्ट की तरफ से एक चौकानें वाली रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक और कुछ बड़े बैंक गरीबों के खाते से सर्विसेज के नाम पर मोटी कमाई कर रहे हैं। दरअसल पीएनबी, एसबीआई जैसे बैंक बीएसबीडीए खाते पर चार बार से ज्यादा निकासी पर चार्ज वसूल रहे हैं। अब करीब एक महीने के बाद देश के सबसे बड़े बैंक ने आधिकारिक तौर पर ये घोषणा कर दी है कि बीएसबीडीए अकाउंट होल्डर्स अपनी खातों से केवल 4 बार ही मुफ्त निकासी कर सकेंगे। इसके बाद की हर निकासी पर 15 रुपए प्लस जीएसटी का शुल्क देना होगा। लाइव मिंट की रिपोर्ट के मुताबिक बेसिक सेविंग खाताधारक अब किसी ब्रांच या एटीएम से एक महीने में सिर्फ 4 बार ही बिना किसी शुल्क के कैश निकाल सकेंगे। इसके बाद ये खाताधारक चाहे एसबीआई एटीम से निकासी करें या गैर एसबीआई ब्रांच से उन्हें 15 रुपए प्लस जीएसटी का चार्ज देना ही होगा। ये नियम 1 जुलाई से लागू होंगे।

क्या होता है बीएसबीडी अंकाउंट

बीएसबीडीए अकाउंट यानी बेसिक सेविंग बैंक डिपॉजिट अकाउंट. आरबीआई के नियमों के मुताबिक इस खाते में कई तरह की छूट होती है। यह एक जीरो बैलेंस अकाउंट होता है, जिसे कोई भी खुलवा सकता है। इसमें मिनिमम बैलेंस रखने का झंझट नहीं होता. इस खाते की सबसे खास बात होती है कि इसमें बैंक या ATM से कैश विदड्रॉल, इंटरनेट बैंकिंग, फंड ट्रान्सफर, केन्द्र व राज्य सरकार की ओर से आने वाले चेक को डिपॉजिट आदि किया जा सकता है। ये सभी सर्विस फ्री होती हैं जाती है।

एसबीआई ने की 308 करोड़ की कमाई

आईआईटी बॉम्बे की रिपोर्ट के मुताबिक एसबीआई के पास बीएसबीडी खाताधरकों को संख्या करीब 12 करोड़ की है। जिनसे इस बैंक के सर्विसेज के नाम पर 9.9 करोड़ रुपए जुटाए हैं। दरअसल ये बैंक छोटी छोटी रकम लोगों के खातों से काटकर एक मोटी रकम इक्कठा कर लेते हैं। आईआईटी बाम्बे की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि देश के सबसे बड़े बैंक ने अपने 12 करोड़ बीएसबीडी अकांउट होल्डर्स से सर्विस के नाम पर पूरे 308 करोड़ की वसूली की है। बैंक ने 308 करोड़ की रकम 6 साल में वसूल की है।

सावधान

खांसने, छींकने और बात करने से फैल रहा कोरोना वायरस

स्वास्थ्य मंत्रालय ने जारी की नई गाइडलाइन

नई दिल्ली। एजेंसी

देश में कोरोना संक्रमण के मामले कम नहीं हो रहे हैं। पिछले 24 घंटों के दौरान दो लाख 80 हजार से अधिक लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इस बीच स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस के फैलाव और उसके इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाओं से संबंधित एक नई गाइडलाइन जारी की है। इसमें कहा गया है कि कोरोना का संक्रमण मुख्य रूप से हवा के माध्यम से और संक्रमित व्यक्ति के खांसने, छींकने या बातचीत करने पर निकलने वाली छोटी बूंदों के माध्यम से फैल रहा है, जबकि पिछले साल जून में ही स्वास्थ्य मंत्रालय ने जो गाइडलाइन जारी की थी, उसमें बताया गया था कि कोरोना का संक्रमण मुख्य रूप से तब फैलता है जब कोई संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आ जाता है।

हाल ही में केंद्र सरकार के मुख्य वैज्ञानिक सलाहकार के दफ्तर की ओर से जो गाइडलाइन जारी की गई थी, उसमें बताया गया था कि किसी संक्रमित व्यक्ति की छींक और खांसी के माध्यम से कोरोना वायरस हवा में 10 मीटर की दूरी तक जा सकता है और स्वस्थ व्यक्ति को भी संक्रमित कर सकता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय की नई गाइडलाइन में जो अन्य बदलाव किए गए हैं, उसमें आइवरमेक्टिन और स्टेरॉयड का इस्तेमाल और प्लाज्मा थेरेपी को लेकर है। गाइनलाइन के मुताबिक, कोरोना के कम या हल्के लक्षण वाले मामलों में आइवरमेक्टिन दवा खाली पेट दिन में एक बार तीन से पांच के लिए दी जा सकती है, लेकिन ध्यान रहे कि गर्भवती या स्तनपान कराने वाली महिलाओं को यह दवा नहीं देनी है। पिछले साल की अगर सरकार की गाइडलाइन देखें तो आइवरमेक्टिन को उसमें शामिल नहीं किया गया था।

नई गाइडलाइन के मुताबिक, संक्रमण के हल्के लक्षण वाले केस में मरीज को स्टेरॉयड देने की कोई जरूरत नहीं होती, लेकिन अगर मरीज को संक्रमण के सात बाद भी बुखार और अधिक खांसी जैसे लक्षण हैं, तो डॉक्टर की सलाह पर उसे ओरल स्टेरॉयड दिया जा सकता है। स्वास्थ्य मंत्रालय की पिछले साल की गाइडलाइन में प्लाज्मा थेरेपी को कोरोना के इलाज की सूची में शामिल किया गया था, जबकि इस बार इसे हटा दिया गया है, यानी अब कोरोना मरीजों के इलाज में प्लाज्मा थेरेपी का इस्तेमाल नहीं होगा।

अमेरिकाः वैज्ञानिक पीटर हॉटेज ने कहा

भारतीय टीके ने दुनिया को घातक कोरोना वायरस से बचाया

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका के एक शीर्ष वैज्ञानिक ने कहा है कि भारत द्वारा वैश्विक संस्थानों के साथ मिलकर तैयार की गए कोविड टीके ने विश्व को कोरोना महामारी से उबारा है। उन्होंने कहा कि भारत के इस योगदान को कम करके नहीं आंकना चाहिए।

'फॉर्मेसी ऑफ द वर्ल्ड है भारत'

ह्यूस्टन के बायलोर कॉलेज ऑफ मेडीसन में नेशनल स्कूल ऑफ ट्रोपिकल मेडीसन के डीन डॉक्टर पीटर हॉटेज ने एक वेबिनार में कहा कि विश्व में कोरोना वायरस को रोकने में भारत का कोविड टीका बहुत महत्वपूर्ण है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक डॉक्टर हॉटेज ने कहा कि इस वैश्विक महामारी से निपटने में भारत के बड़े योगदान के बारे में विश्व को पूरी जानकारी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने कहा कि महामारी के दौरान दवा के क्षेत्र में व्यापक अनुभव एवं ज्ञान के कारण भारत को 'फार्मेसी ऑफ द वर्ल्ड' कहा गया।

डॉ. पीटर होटेज ने कहा कि एमआरएनए के दो टीकों का दुनिया के कम एवं मध्यम आय वाले देशों पर प्रभाव नहीं पड़ता, लेकिन भारत के टीके ने 'दुनिया को बचाया' है और इसके योगदान को कमतर नहीं समझा जाना चाहिए।

भारत ने दिया वायरस से लड़ने का तोहफा

वेबिनार 'कोविड-19 : वैक्सीनेशन एंड पोटेंशियल रिटर्न टू नॉर्मल्सी– इफ एंड व्हेन' में डॉ. होटेज ने कहा कि कोविड-19 के टीके का विकास वायरस से लड़ने में दुनिया को 'भारत का तोहफा' है। वेबिनार का आयोजन इंडो अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स ऑफ ग्रेटर ह्यूस्टन (IACCGH) द्वारा किया गया था। डॉ. होटेज ने कहा कि 'यह बहुत खास है और मैं इसे स्वयं देख रहा हूं क्योंकि मैं भारत में हमारे सहयोगियों के साथ साप्ताहिक टेली कॉन्फ्रेंस पर हूं, आप एक सिफारिश करते हैं, और कुछ दिनों के भीतर आपको वैक्सीन उपलब्ध करा दिया जाता है और यह न केवल किया जाता है, बल्कि यह अच्छी तरह से और अविश्वसनीय दृढ़ता, विचार और रचनात्मकता के साथ किया जाता है।' डॉ होटेज ने कहा, उन्हें यह बयान देने के लिए मजबूर नहीं किया गया बल्कि महसूस किया क्योंकि 'वैश्विक महामारी से निपटने में भारत के विशाल प्रयास की यह एक ऐसी कहानी है जिसके बारे में वास्तव में दुनिया के लोगों को पूरी जानकारी नहीं है।' डॉ होटेज, जिन्हें टीकाकरण को प्रमाणित करने के लिए जाता है, भारतीय दवा कंपनियों के सहयोग से एक किफायती कोरोना वायरस वैक्सीन पर काम किया है। उन्होंने कहा कि इस बात के प्रमाण बढ़ रहे हैं कि टीके न केवल 'रोगसूचक बीमारी को रोकते हैं और आपको अस्पताल से बाहर रखते हैं' बल्कि एसिम्पटोमेटिक संचरण को भी रोकते हैं।

पहले अमेरिका ने बताया था सच्चा मित्र

इससे पहले अमेरिका ने भारत की तारीफ करते हुए सच्चा दोस्त बताया था। अमेरिका ने कहा था कि वह वैश्विक समुदाय की मदद करने के लिए अपने दवा क्षेत्र का उपयोग कर रहा है। बता दें कि भारत ने कोविड-19 टीकों की खेप भूटान, मालदीव, नेपाल, बांग्लादेश, म्यामांर, मॉरीशस और सेशेल्स को मदद के रूप में भेज चुका है। सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, ब्राजील और मोरक्को को ये टीके व्यावसायिक आपूर्ति के रूप में भेजे गए हैं।

आइकॉनिक बोरोसिल विज़न ग्लाससेस अब माइक्रोवेव में भी उपयोग करने योग्य

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आपकी दैनिक आवश्यकताओं के लिए एक उत्तम साथी! बोरोसिल भारत का पहला माइक्रोवेवेबल ग्लासमेकर है। इस गर्मी में आपअपने पसंदीदा घरेलू भारतीय ब्रांड और उनके प्रतिष्ठित खूबसूरत ग्लास पर सभी दैनिक आवश्यकताओं और अवसरों के लिए भरोसा कर सकते हैं। आप इन परिष्कृत डिजाइन और क्षमता वाले 100% बोरोसिलिकेट ग्लास में अपने पसंदीदा पेय, स्मूदी और डेसर्ट को गर्म, फ्रीज या बेक कर सकते हैं।

अपने बच्चों के लिए दूध गर्म करना हो या परिवार और दोस्तों लिए आइस्ड टी या ठंडा नींबू पानी बनाना हो या कुछ डेजर्ट परोसना चाहते हैं, हर जरूरत के लिए एक ग्लास है। फ्रीजर से निकले बोरोसिल विजन ग्लास को सीधे बिना किसी चिंता के माइक्रोवेव किया जा सकता है! 100ङ्ग ओवनप्रूफ होने से इसेकेक, डेसर्ट, और सूफले, और आइसक्रीम केक को बनाने और परोसने के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इन ग्लाससेस के फायदे असीमित हैं। ये ग्लाससेस न केवलखरोंच प्रतिरोधी हैं बल्कि नॉन पॉरस भी हैं, जिससे ये किसी भी प्रकार की गंध या धब्बों को अवशोषित नहीं करते हैं।

विज़न ग्लासेस सियाचिन में भारतीय सेना की पहली पसंद हैं क्योंकि वे गर्म पाइपिंग टी और कॉफी की तीव्रता को बिना क्रैक के आनंद ले सकते हैं। आप, विज़न चेरी ग्लास, विज़न व्हाइट कर्ल ग्लास, विज़न रेडबड, विजन व्हाइट क्रिप और ब्लैक क्रिप, और सबसे पसंदीदा क्लासिक विज़न ग्लास जैसे अनगिनत संग्रह में से चुनें। प्लास्टिक या साधारण ग्लास की तरह विज़न ग्लास बार-बार उपयोग करने के बाद भी आपके पेय में केमिकल को नहीं सोखेगा। और सामान्य ग्लास की तुलना में मजबूत और सख्त है। विज़न ग्लासेसएकदम साफ रहते हैं और बार-बार उपयोग के बाद भी उसके रंग और रूप फीके नहीं पड़ेंगे। इसलिए अपने परिवार की स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए बोरोसिल के विज़न ग्लासेस को रोजमर्रा की आवश्यकताओं के लिए चुनिये।

स्वास्थ्य, स्वच्छता से जुड़े उत्पादों की बिक्री बढ़ी, सौंदर्य प्रसाधन, परिधानों की बिक्री घटी

नयी दिल्ली। एजेंसी

देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के प्रकोप के बीच खुदरा विक्रेताओं को स्वास्थ्य, स्वच्छता, खाद्य पदार्थों, व्यक्तिगत और घरेलू देखभाल जैसे उत्पादों की बिक्री में लगातार वृद्धि देखने को मिली है। वहीं सौंदर्य और सौंदर्य प्रसाधन, फैशन और परिधान जैसे उत्पादों की बिक्री इस दौरान प्रभावित हुई है। स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उत्पादों के प्रति लोगों का ध्यान बढ़ा है जिसके कारण आयुर्वेदिक दंत मंजन और फलों के रस की मांग बढ़ी है। साथ ही पैक्ड और खाने को तैयार पोषाहार खाद्य पदार्थों जैसे उत्पादों की बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

इसके अलावा बिस्कुट, चटनी और जैम के पांच से दस रुपये वाले छोटे पैकेट की बिक्री में बीस प्रतिशत का उछाल देखा गया है। लॉकडाउन के दौरान लोगों में आय की चिंता बढ़ी है जिसके कारण बड़े और प्रीमियम उत्पादों की बिक्री प्रभावित हुई है। विक्रेताओं को पहले जनवरी से मार्च के बीच परिधान, फैशन और घरेलू देखभाल जैसे उत्पादों की बिक्री में तेजी की उम्मीद को देखते हुए खुदरा विक्रताओं ने मार्च में स्टॉक भर लिया था। अब उन्हें माल पड़े रहने की परेशानी आ रही है। मेट्रो कैश एंड कैरी इंडिया के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अरविंद मेदिरत्ता ने पीटीआई-भाषा को बताया, ''महंगे या अधिक मूल्य वाले उत्पादों और गैर जरुरी उत्पादों की बिक्री में कमी देखी गई है।'' उन्होंने कहा, ''गैर-जरुरी उत्पादों की बिक्री घट गई है क्योंकि कोरोना संक्रमण के कारण लगाए गए लॉकडाउन में केवल जरुरी उत्पादों की बिक्री की अनुमति है। कोरोना प्रतिबंधों के कारण घर और फैशन श्रेणी के उत्पादों की बिक्री सबसे अधिक प्रभावित हुई है।''

उन्होंने कहा, ''हमारे पास माल पूरा है लेकिन अब बिक्री का समय चला गया है। गर्मियों के आगमन के समय हम फैशन श्रेणी के उत्पादों की बिक्री में जो उम्मीद लगा रहा थे वो अब धूमिल हो गई है। बिग बाजार में रोजाना इस्तेमाल में आने वाले उत्पाद जैसे सब्जियां, दालों, दुग्ध उत्पाद और पकने के लिए तैयार उत्पाद जैसे डोसा, पास्ता, नूडल्स की अच्छी बिक्री हो रही है।'

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।